राजस्थान राज्य भारत स्काउट व गाइड संगठन की मासिक पत्रिका

स्काउट गाइड ज्योति

वर्ष-24 | अंक-10 | अप्रेल, 2024 | कुल पृष्ठ-28 | मूल्य-₹ 15

टोकियो, जापान में 05 से 12 मार्च, 2024 तक आयोजित अन्तर्राष्ट्रीय पर्यावरण सेमिनार (जेनेसिस-2023) में भारत का प्रतिनिधित्व करते हुए रोवर-रेंजर (बाएं से दाएं) चीकनाहल्ली सुमुख-कर्नाटक, अरविन्द अक्षया-तमिलनाडू, आरू नामा-भीलवाड़ा, राजस्थान, अंतरा मुखर्जी-उत्तर प्रदेश, निष्ठा लाटा-जयपुर, राजस्थान, जयेश्वर प्रजापत-जोधपुर, राजस्थान, एवं कानन अश्वन्थ-तमिलनाडू तथा बीच में टोकियो के प्रोग्राम ऑफिसर तनक मिकिओ, जेनेसिस कॉओर्डिनेटर फ्रेंक तोउमा और सार्क टीम लीडर कातो सुबारो

चित्र विथिका

जिला मुख्यालय बांसवाड़ा पर स्काउट गाइड शिविर में अपना स्नेह, आशीर्वाद देने के लिए पधारे मंचासीन जिला कलक्टर डूंगरपुर श्री अंकित कुमार सिंह, जिला कलक्टर बांसवाड़ा डॉ इंद्रजीत यादव, अति.जिला कलक्टर डूंगरपुर श्री कुलराज मीणा, अति.जिला कलक्टर बांसवाड़ा श्री अभिषेक गोयल, कुलसचिव गो.गु.जनजाति विश्वविद्यालय डॉ. लक्ष्मण परमार

प्रकृति अवलोकन शिविर के दौरान पर्यटन स्थल के सामने जिला बाड़मेर के स्काउट गाइड

स्काउट गाइड ज्योति
वर्ष : 24 अंक : 10
अप्रेल, 2024

सलाहकार मण्डल

निरंजन आर्य
आई.ए.एस. (से.नि.)
स्टेट चीफ कमिश्नर

आशीष मोदी, आई.ए.एस.
स्टेट कमिश्नर (स्काउट)

निर्मल पंवार
स्टेट कमिश्नर (रोवर)

डॉ. भंवर लाल, आई.ए.एस.
स्टेट कमिश्नर (कब)

महेन्द्र कुमार पारख, आई.ए.एस.(से.नि.)
स्टेट कमिश्नर (एडल्ट रिसोर्स)

रूक्मणि आर.सिहाग, आई.ए.एस.
स्टेट कमिश्नर (गाइड)

शुचि त्यागी, आई.ए.एस.
स्टेट कमिश्नर (रेंजर)

टीना डाबी, आई.ए.एस.
स्टेट कमिश्नर (बुलबुल)

मुग्धा सिन्हा, आई.ए.एस.
स्टेट कमिश्नर (एडल्ट रिसोर्स)

स्टेट कमिश्नर (हैडक्वाटर्स–स्काउट)
नवीन महाजन, आई.ए.एस.
नवीन जैन, आई.ए.एस.
टीकम चंद बोहरा, आई.ए.एस.
डॉ. एस.आर. जैन
डॉ. अखिल शुक्ला

स्टेट कमिश्नर (अहिंसा, शांति–समन्वय)
मनीष कुमार शर्मा

राज्य कोषाध्यक्ष
ललित वर्मा
राज. लेखा सेवा

सम्पादक

डॉ. पी.सी.जैन
राज्य सचिव

सहायक सम्पादक

नीरज जैन

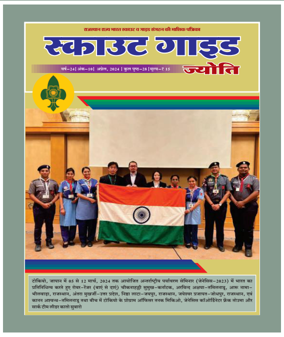

इस अंक में

विषय	पृष्ठ संख्या
दिशाबोध	4
संपादकीय	4
अजमेर मण्डल समीक्षा बैठक	5
कब–बुलबुल उत्सव में राज्य मुख्यायुक्त	6
राज्य कार्यकारिणी समितिः 22 मार्च, 2024	7
अन्तर्राष्ट्रीय पर्यावरण सेमिनार–जापान (जेनेसिस 2023)	8
टोकियो से हुक्काइडो की यात्रा	9
पर्यटन स्थलों का भ्रमण	10
स्काउट आवासीय विद्यालय संवाद कार्यक्रम	10
विप्रो अर्थियन 2023 पुरस्कार	11
महिला दिवस आयोजन में राजस्थान का प्रतिनिधित्व	12
रक्तदान कर मनाई शादी की सालगिरह	13
स्काउट व रोवर की गांधी दर्शन यात्रा	13
स्काउट गाइड शिविर जीवन बदलने का मार्ग	14
हिमालय वुड बैज कोर्स	15
गतिविधि दर्पण	16
हमारे महापुरुष : महर्षि डॉ. धोंडो केशव कर्वे	22
पर्यटन स्थल : शाकम्भरी देवी और जीण माता	23
हमारा स्वास्थ्य : अच्छी सेहत के लिए	24
दक्षता पदक : जिम्नास्ट (कसरती/मल्ल)	25
गतिविधि पञ्चांग	26

लेखकों से निवेदन

स्काउट गाइड ज्योति का प्रकाशन मात्र प्रकाशन भर नहीं है बल्कि यह पत्रिका हमारे संगठन का दर्पण है, जो आयोजित हो चुकी गतिविधियों को प्रस्तुत करने, संगठन के कार्यों और इसके प्रशिक्षण तथा अन्य समाजोपयोगी क्रियाकलापों के विचारों को प्रकट करने का सशक्त माध्यम है।

समस्त पाठकों, सृजनात्मक एवं रचनाधर्मी प्रतिभाओं से स्वलिखित, मौलिक व पूर्व में अप्रकाशित स्काउटिंग गाइडिंग से संबंधित लेख, यात्रा वृत्तान्त, कैम्प क्राफ्ट संबंधी लेख, प्रशिक्षण विधि, पाठक प्रतिक्रिया आदि प्रकाशनार्थ आमंत्रित हैं। आपके अनुभव प्रत्येक स्काउट गाइड के लिए अमूल्य हैं। आप द्वारा प्रेषित सामग्री आपके नाम व फोटो के साथ प्रकाशित की जावेगी। लेख स्पष्ट टंकित हो तथा उस पर यह अवश्य लिखा हो कि 'यह लेख मौलिक एवं अप्रकाशित है'।

प्रकाशनार्थ सामग्री हमारी ईमेल आई.डी. **scoutguidejyoti@gmail.com** पर भिजवाई जा सकती हैं।

स्काउट गाइड ज्योति वार्षिक सदस्यता शुल्क	आजीवन सदस्यता शुल्क
व्यक्तिगत शुल्क :100/– संस्थागत शुल्क:150/–	1200/–
शुल्क राशि राज्य मुख्यालय जयपुर पर एम.ओ. अथवा 'राजस्थान स्टेट भारत स्काउट एण्ड गाइड, जयपुर' के नाम डिमान्ड ड्राफ्ट द्वारा जमा कराई जा सकती है।	

नोट : स्काउट गाइड ज्योति में छपे/व्यक्त विचार प्रस्तोता के अपने हैं।
यह जरूरी नहीं है कि संगठन इनसे सहमत ही हो।

दिशाबोध

गुणात्मक वृद्धि की ओर

मानव जीवन में प्रेरणा और मार्गदर्शन का बहुत महत्त्व है। हाल ही में अजमेर के कोटड़ा स्थित विद्यालय के इको क्लब व स्काउट्स द्वारा पर्यावरण संरक्षण एवं सस्टेनेबिलिटी के क्षेत्र में जल संरक्षण, जैव विविधता और वेस्ट मैनेजमेंट विषय पर किए गए कार्यों पर आधारित प्रोजेक्ट के लिए विप्रो अर्थियन अवार्ड से राष्ट्रीय स्तर पर सम्मानित किया गया। प्रदेश में 16500 इको क्लब एनजीसी के तहत पंजीकृत हैं। मेरा सभी से आह्वाह है कि वे भी इस विद्यालय से प्रेरणा और मार्गदर्शन लेंवे और अपने विद्यालय में पर्यावरण से संबंधित कुछ ऐसे कार्य करें कि राष्ट्रीय स्तर पर कीर्तिमान स्थापित कर सकें। और याद रखें कि सम्मान का प्रोत्साहन हमें फिर आगे बढ़ने को प्रेरित करता है।

संघर्ष जीवन का मूल तत्व है, संघर्ष से ही प्रगति होती है, नई राह निकलती है। समस्याएं हमारे जीवट की धार को पैना करती है....हमें बेहतर करने के लिए–बेहतर बनने के लिए–समाज को बेहतर बनाने के लिए प्रेरित करती है। अतः नई दृष्टि से आन्दोलन की कार्य प्रणाली का सार्थक उपयोग कर स्वयं को घर व समाज के लिए और अधिक उपयोगी बनायें।

वर्तमान में राजस्थान प्रदेश स्काउट गाइड संगठन अपनी संख्यात्मक वृद्धि के लिए राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बनाये हुए है। अब हमें संख्यात्मक वृद्धि के साथ–साथ गुणात्मक वृद्धि पर अधिक ध्यानाकर्षण की आवश्यकता है।

मेरा सभी से आह्वान है कि राष्ट्रीय स्तर पर हमारे स्काउटर गाइडर या स्काउट गाइड जब भी हमारे प्रदेश का प्रतिनिधित्व करें तो उससे पहले हम अपने स्तर पर पूर्णतया आश्वस्त हों कि हमारे लीडर्स, स्काउट गाइड रोवर रेंजर उस गतिविधि में आयोजित होने वाली प्रतियोगिताओं एवं प्रदर्शन के लिए पूर्णरूप से तैयार एवं प्रशिक्षित हों। प्रदेश का उत्कृष्ट प्रदर्शन ही हमारी पहचान बने यही हमारा ध्येय और लक्ष्य होना चाहिये।

हार्दिक शुभकामनाओं सहित......

निरंजन आर्य
स्टेट चीफ कमिश्नर

संपादकीय

हमारा कर्म हो सेवा, हमारा धर्म हो सेवा।
सदा ईमान हो सेवा, वो सेवकचर बना देना।

स्काउट गाइड प्रार्थना की उक्त पंक्तियां बालक–बालिकाओं को सेवा की ओर अग्रेषित करने एवं संकल्पित भाव उत्पन्न करने की एक प्रभावी प्रक्रिया है। यह एक सेवाव्रत धारी संगठन है। हर समय सेवा करने को उद्यत रहने की बात स्काउट गाइड आन्दोलन सिखाता है। स्काउटिंग गाइडिंग को सेवा का पर्याय कहा जाता है।

मुझे यह बताते हुए आनन्दानुभूति है कि सेवा के उद्देश्य की पूर्ति हेतु प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी श्री खाटूश्याम जी के मेले के अवसर पर स्काउट गाइड सेवा शिविर का आयोजन कर देश–विदेश से आने वाले दर्शनार्थियों को स्काउट गाइड ने अपनी विविध प्रकार के सेवाओं से लाभान्वित किया। इस सेवा शिविर में एक हजार से अधिक स्काउट गाइड रोवर रेंजर द्वारा दी गई सेवाओं से अभिभूत होकर राज्य के अनेक प्रशासनिक अधिकारियों ने स्काउट गाइड द्वारा दी गई निःशुल्क सेवाओं को निःस्वार्थ और उत्कृष्ट बतलाया। ये सेवाएं हमारे प्रदेश को राष्ट्रीय स्तर पर विशिष्ट पहचान दिलाने में सहायक है। सेवा का यही आलम वर्ष पर्यन्त दिखलाई देता है।

ऋण से उऋण होने का सर्वोत्तम मार्ग 'पर सेवा' ही है। जिसने अपने जीवन को सवा में नहीं लगाया उसने जीवन के असली उद्देश्य को समझा ही नहीं। सेवा को भक्ति भी कहा गया है और यह भक्ति ही हमारे संगठन की शक्ति है। अतः सभी स्काउट गाइड रोवर रेंजर से यह अपेक्षा की जाती है कि वे प्रतिदिन कोई न कोई सेवा का कार्य अवश्य करें।

स्काउट गाइड भावना सहित....!

डॉ. पी.सी. जैन
राज्य सचिव

विशेष

अजमेर मण्डल समीक्षा बैठक

राज्य मुख्यायुक्त की अजमेर विजिट

राजस्थान राज्य भारत स्काउट व गाइड, शिविर केन्द्र पुष्कर घाटी, अजमेर पर राज्य मुख्यायुक्त श्री निरंजन आर्य की अध्यक्षता में दिनांक 24 फरवरी 2024 को अजमेर संभाग के समस्त ऑर्गेनाइजर की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। स्काउट प्रार्थना से प्रारम्भ हुई बैठक में सहा. राज्य संगठन आयुक्त (स्काउट) श्री विनोद दत्त जोशी ने राज्य मुख्यायुक्त महोदय का स्वागत किया।

समीक्षा बैठक में सत्र 2023–24 के लक्ष्यों के सन्दर्भ में प्राप्त उपलब्धियों पर विस्तारपूर्वक चर्चा हुई। जिलेवार समीक्षा करते हुये श्री निरंजन आर्य ने जिला अजमेर व जिला नागौर की उपलब्धियों को कमजोर बताते हुये 31 मार्च से पूर्व पूर्ण करने के निर्देश दिये।

राष्ट्रपति स्काउट व गाइड के पंजीकरण भी कम होने पर स्टेट चीफ कमिश्नर महोदय ने नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति स्काउट/गाइड अवार्ड को प्राप्त करने का सपना प्रत्येक स्काउट/गाइड का होता है। अतः इस पर विशेष ध्यान दिया जाना चाहिए।

बेसिक कोर्स का अधिक से अधिक आयोजन कर अध्यापक/अध्यापिकाओं को प्रशिक्षण कराएं।

राज्य मुख्यायुक्त महोदय ने सभी ऑर्गेनाइजर्स को निर्देशित किया कि अपने–अपने जिले के पंजीकृत ग्रुपों की सूची तैयार करें जो प्राथमिक/उच्च प्राथमिक/माध्यमिक एवं उच्च माध्यमिक श्रेणी में वर्गीकृत हो। साथ ही उन्होंने राज्य स्तर पर श्रेष्ठ उपलब्धियाँ देने वाले ऑर्गेनाइजर को राज्य स्तर पर सम्मानित करने हेतु निर्णय लेने की बात कही। उन्होंने कहा कि सभी स्थानीय संघों/ब्लॉक के पंजीकृत विद्यालय/अपंजीकृत विद्यालयों के नक्शे तैयार करावें और उन्हें मुख्यालय पर लगाये जावें।

राज्य सचिव महोदय डॉ. पी.सी. जैन ने कहा कि स्टीकर व कोटामनी से सम्बन्धित जो बकाया राशि है वह राशि राज्य मुख्यालय को तत्काल जमा करावें। उन्होंने कहा कि मुख्यालय पर संधारित लेखा रिकॉर्ड समय पर संधारित किये जावें।

राज्य संगठन आयुक्त (स्काउट) श्री पूरण सिंह शेखावत ने बताया कि ओवाईएमएस के अन्तर्गत अजमेर संभाग के स्काउट/गाइड का ऑनलाईन पंजीकरण का कार्य बहुत कमजोर है। इसे गम्भीरता से लेते हुये तेजी के साथ आगे बढ़ाया जावें।

सहायक राज्य संगठन आयुक्त (स्काउट) अजमेर श्री विनोद दत्त जोशी ने समीक्षा बैठक के अन्त में राज्य मुख्यायुक्त महोदय का आभार व्यक्त किया एवं राष्ट्रगान के साथ बैठक सम्पन्न हुई।

कब-बुलबुल उत्सव, अजमेर

राज्य मुख्यायुक्त ने किया अवलोकन

स्टेट चीफ कमिश्नर श्री निरंजन आर्य ने ऑर्गेनाइजर्स की समीक्षा बैठक के पश्चात जिला स्तरीय कब/बुलबुल उत्सव जो दिनांक 24 से 26 फरवरी तक शिविर केन्द्र पुष्कर घाटी अजमेर पर आयोजित हो रहा था, के उद्घाटन कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। मण्डल पदाधिकारियों द्वारा श्री आर्य को स्मृति चिन्ह भेंट कर स्वागत किया गया।

स्टेट चीफ कमिश्नर श्री निरंजन आर्य कब–बुलबुल की प्रस्तुतियों को देख काफी प्रसन्न हुए और कहा कि इन नन्हें–नन्हें बच्चों की प्रस्तुतियाँ प्रशंसनीय है। श्री आर्य ने स्काउट/गाइड यूनिट लीडर बेसिक कोर्स जो पुष्कर घाटी में संचालित हो रहा था, के सम्भागियों को एवं उपस्थित समस्त कब/बुलबुल, स्काउट/गाइड, रोवर/रेंजर, स्काउटर /गाइडर व संगठन के पदाधिकारियों को संबोधित करते हुए कहा कि जो अध्यापक /अध्यापिकाएं स्काउटिंग/गाइडिंग का प्रशिक्षण ले रहे हैं, वें विद्यालय में जाकर इस गतिविधि को प्रारम्भ करें। यह संगठन एक ऐसा संगठन है जिसमें आने के बाद व्यक्ति भावनात्मक रूप से संगठन के नीति, नियमों व गतिविधियों के साथ जुड़ जाता है।

इस अवसर पर नन्हें–नन्हें कब/बुलबुल द्वारा स्वागत गीत, सामूहिक नृत्य, विशाल गर्जना, घेरे के गीत, बड़ी सलामी इत्यादि आकर्षक सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किये गये।

बच्चों की आकर्षक प्रस्तुतियों से प्रभावित होकर श्री रामकरण कमेड़िया पूर्व उपप्रधान पंचायत समिति मेड़ता सिटी जिला नागौर ने 2100 रूपये का नकद इनाम देकर बच्चों को सम्मानित किया।

राज्य सचिव डॉ. पी.सी. जैन ने कहा कि स्काउट/गाइड गतिविधियों को आगे बढ़ाने व सक्रीय करने हेतु सभी एक जुट होकर कार्य करें। राज्य संगठन आयुक्त (स्काउट) श्री पूरण सिंह शेखावत ने सुन्दर प्रस्तुतियों के लिये धन्यवाद दिया।

कार्यक्रम के अन्त में कब/बुलबुल उत्सव की संचालिका लीडर ट्रेनर सुश्री दया मेघानी ने सभी का आभार व्यक्त किया।

राज्य कार्यकारिणी समिति: 22 मार्च, 2024

राजस्थान राज्य भारत स्काउट व गाइड संगठन की राज्य कार्यकारिणी समिति की बैठक दिनांक 22.3.2024 को सायं 3:00 बजे राज्य प्रशिक्षण केन्द्र, जगतपुरा, जयपुर पर संगठन के माननीय स्टेट चीफ कमिश्नर श्री निरंजन आर्य की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई, जिसमें संगठन के स्टेट कमिश्नर (वयस्क संसाधन) श्री महेन्द्र कुमार पारख, स्टेट कमिश्नर (हैडक्वाटर) डॉ. अखिल शुक्ला, स्टेट ट्रेजरार श्री ललित वर्मा, राज्य सचिव डॉ. पी.सी. जैन, सहायक स्टेट कमिश्नर (स्काउट) श्री विमल चौहान, श्री सत्तार मो.बागड़ी, सहायक स्टेट कमिश्नर (गाइड) डॉ. सुषमा सिंघवी, जिला मुख्य आयुक्त झालावाड़–श्री हुकुमचन्द मीणा, लीडर ट्रेनर सुश्री दया मेघानी, श्री लाजपत राय कुमावत, श्रीमती सुशीला उपाध्याय, श्रीमती शकुन्तला पाण्डे, श्रीमती अंजना शर्मा, उपाध्यक्ष युवा समिति सुश्री प्रियंका सोलंकी सहित राज्य संगठन के अधिकारी उपस्थित रहे तथा सहा.स्टेट कमिश्नर श्री राजेन्द जोशी एवं प्रदीप कुमार शर्मा वेबिनार के माध्यम से मीटिंग में वर्चुअली उपस्थित रहे।

प्रार्थना के उपरान्त राज्य सचिव डॉ. पी. सी. जैन द्वारा सभी सदस्यों का शाब्दिक स्वागत कर गत कार्यकारिणी समिति की मीटिंग का कार्यवृत पुष्टि हेतु प्रस्तुत किया गया, जिसकी समिति द्वारा पुष्टि की गई। गत कार्यकारिणी सभा की अनुपालना रिपोर्ट राज्य संगठन आयुक्त (स्काउट) श्री पूरण सिंह शेखावत द्वारा बिन्दुवार प्रस्तुत की गई, जिसका अनुमोदन किया गया। दिनांक 18 मार्च, 2024 को आयोजित हुई वित्त समिति की बैठक का कार्यवृत राज्य कोषाध्यक्ष श्री ललित वर्मा द्वारा प्रस्तुत किया गया। वित्त समिति की अभिशंसाओं पर विचार–विमर्श कर सदन द्वारा स्वीकृति प्रदान की गई।

स्टेट कमिश्नर (वयस्क संसाधन) श्री महेन्द्र कुमार पारख ने कहा कि प्रशिक्षण कार्यक्रम को मजबूत किया जावे व उसकी गुणवत्ता में सुधार लाना होगा। श्री पारख ने वर्ल्ड जम्बूरी में सहभागिता बढ़ाने तथा 19वीं राष्ट्रीय जम्बूरी के तैयारी प्रारम्भ करने का सुझाव दिया।

स्टेट कमिश्नर (हैडक्वाटर) डॉ. अखिल शुक्ला द्वारा सुझाव दिया गया कि सभी संभागों से राज्य मुख्यायुक्त की विजिट के दौरान दिए गए निर्देशों की पालना रिपोर्ट 1 से 10 अप्रेल तक मंगवाई जावे, सभी जिला मुख्यालय पर मूवमेंट रजिस्टर का संधारण हो और राज्य स्तरीय शिविरों में राज्य पदाधिकारियों की सहभागिता करवाई जावे जो अपनी रिपोर्ट राज्य मुख्यायुक्त महोदय को प्रस्तुत करें। श्री शुक्ला ने वेबसाइट को अपडेट किये जाने की आवश्यकता बताई।

वर्ष 2024–25 का वार्षिक कार्यक्रम श्री बन्ना लाल, राज्य प्रशिक्षण आयुक्त (स्काउट) द्वारा प्रस्तुत किया गया, जिसे संशोधित कर प्रसारित करने का सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया।

स्टेट प्लानिंग कमेटी की बैठक का कार्यवृत राज्य संगठन आयुक्त (स्काउट) द्वारा बिन्दुवार सदन के समक्ष प्रस्तुत किया गया, जिसे स्वीकृति प्रदान की गई। जिसके अनुसार संख्यात्मक एवं गुणात्मक वृद्धि के लक्ष्यों को जिले के स्थानीय संघ व गणना के अनुसार स्वीकार किया गया।

अध्यक्ष महोदय की स्वीकृति से अन्य प्रस्तावों व सुझावों पर विचार–विमर्श कर निर्णय लिये गये। सदस्यों द्वारा अभिरूचि शिविरों की संख्या बढ़ाने, राज्य पदाधिकारियों को जिलों का प्रभार देने, प्रशिक्षण कार्यक्रम को मजबूत करने, ऑनलाइन डाटा बेस तैयार करने, वेबसाइट पर ट्रेनर्स की अपडेटेड सूची दर्शाने, शिविर केन्द्रों पर भौतिक सुविधाओं पर विशेष ध्यान देने, आदि प्रस्ताव दिए गए।

अध्यक्षीय उद्‌बोधन में स्टेट चीफ कमिश्नर श्री निरंजन आर्य ने कहा कि हम सभी को स्काउटिंग गाइडिंग के लिए अधिक से अधिक कार्य करना है। श्री आर्य ने प्राप्त प्रस्तावों की समीक्षा करने और आगामी बैठक में की गई कार्यवाही की जानकारी देने के निर्देश दिये। श्री आर्य ने सभी का आभार व्यक्त करते हुए आशा व्यक्त की कि भविष्य में भी प्रदेश संगठन इसी प्रकार उत्तरोत्तर प्रगति करते हुए राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बनाये रखेगा।

अन्त में कार्यवाहक राज्य संगठन आयुक्त (गाइड) सुश्री सुयश लोढ़ा ने सभी सम्मानित सदस्यों का धन्यवाद ज्ञापित किया। राष्ट्रगान के साथ सभा की कार्यवाही समाप्त की गई।

अन्तर्राष्ट्रीय गतिविधि

अन्तर्राष्ट्रीय पर्यावरण सेमिनार-जापान (जेनेसिस 2023)

निष्ठा लाटा, जयपुर

जापान विदेश मंत्रालय, मिनिस्ट्री ऑफ फॉरेन अफेयर्स द्वारा जापान में दिनांक 5 से 12 मार्च 2024 तक जेनेसिस–2023 स्टूडेंट एक्सचेंज प्रोग्राम के तहत बैच 3 का प्रोग्राम आयोजित किया गया।

जापान में आयोजित उक्त जेनेसिस प्रोग्राम में मुझे (राष्ट्रपति अवार्डेड गाइड निष्ठा लाटा) को सहभागिता का सुअवसर प्राप्त हुआ।

इस अन्तर्राष्ट्रीय पर्यावरण सेमिनार में भारत के अलावा सार्क देशों श्रीलंका, भूटान, नेपाल, पाकिस्तान, मालद्वीप और बांग्लादेश की सहभागिता भी रही। उक्त सेमिनार में मैंने भारत, श्रीलंका और भूटान सहित तीन देशों का नेतृत्व करते हुए स्पीकर का उत्तरदायित्व संभाला तथा समापन में भारत की ओर से वक्ता रही।

इस कार्यक्रम में मेरा चयन भारत स्काउट व गाइड के माध्यम से हुआ। भारतीय विदेश मंत्रालय के माध्यम से जेनेसिस का हिस्सा बनने का सुअवसर मुझे मिला। जेनेसिस द्वारा भारतीय विदेश मंत्रालय से संपर्क किया गया, जिन्होंने भारत स्काउट व गाइड, राष्ट्रीय मुख्यालय के माध्यम से योग्यता तथा साक्षात्कार के आधार पर भारत से सात संभागियों का चयन किया। इस सेमीनार में राजस्थान से 3 जयपुर की निष्ठा लाटा, भीलवाड़ा की आरू नामा और जोधपुर के प्रजापत जयेश्वर तथा अन्य 4 चीकनाहल्ली सुमुख – कर्नाटक, अंतरा मुखर्जी –उत्तर प्रदेश, अरविन्द अक्षया – तमिलनाडु, एवं कान्नन अश्वन्थ–तमिलनाडू ने सहभागिता कर भारत का प्रतिनिधित्व किया।

जेनेसिस जापानी सरकार द्वारा एक उन्नत छात्र विनियम कार्यक्रम है, जो पूर्वी एशियाई देश के साथ कूटनीतिक संबंधों पर केंद्रित है। मैंने कार्यक्रम का नेतृत्व किया और जेनेसिस के उन्मुखीकरण में सक्रिय रूप से भागीदारी की, जिसमें जापानी विदेश मंत्रालय, आवास ब्यूरो भवन मंत्रालय आदि शामिल रहे।

यहां हमने पर्यावरण का गहनता से ज्ञान अर्जन कर जाना कि जापान पर्यावरण स्थिरता की दिशा में कैसे काम कर रहा है। जापान में जैव शौचालयों का उपयोग, होक्काईडो के योइची शहर में 'इको गांव', उचित योजना और आवास संरचना और ऊर्जा खपत का सही तरीका, हरित ऊर्जा में बदलाव इत्यादि शामिल हैं। हमने पर्यावरणीय स्थिरता के प्रति भारत के प्रगतिशील दृष्टिकोण को भी साझा किया, जिसमें पर्यावरण और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय द्वारा 'लाइफ मेरा मिशन' शामिल है।

इस कार्यक्रम के चलते समापन समारोह में मेरे द्वारा भारतीय संस्कृति का खड़ताल बजाकर तथा राजस्थानी गीत गाकर प्रदर्शन किया गया। मेरा जापान में इस बहुउद्देशीय सेमिनार में सहभागिता करना एक अविस्मरणीय व सर्वाधिक सुखद अनुभूति वाला कार्यक्रम रहा। वहां की सफाई व्यवस्था और अनुशासन का गहरा प्रभाव हमारे मानस पटल पर पड़ा है।

वहां जापान में जो कुछ मैंने सीखा और जाना उसके आधार पर भारत में भी मैं अपने अनुभवों और जानकारी का सदुपयोग करते हुए पर्यावरण कार्यक्रम में सहयोग दुंगी। मेरे द्वारा एक एक्शन प्लान तैयार किया गया है, जिसके अनुसार मैं तीन माह तक पर्यावरण सुधार एवं सामाजिक जागरूकता हेतु विद्यालयों में तथा लोगों के बीच जाकर विभिन्न पर्यावरण संबंधित कार्यक्रमों का आयोजन कर जेनेसिस के बारे में भी जानकारी दुंगी।

मुझे भी कुछ कहना है

टोकियो से हुक्काइडो की यात्रा

निष्ठा लाटा
गाइड, जयपुर

मेरी यात्रा तब शुरू हुई जब मैं टोक्यो के हवाई अड्डे पर पहुंची और बर्फ से भरी खूबसूरत जगह को देखकर अभिभूत हो गई। पूरा परिदृश्य शानदार और सपने जैसा लग रहा था। घरों इमारतों कारों की ऊपरी सतह पर बर्फ ही बर्फ ढकी हुई थी। जब मैं अपने साथियों के साथ शहर के इको विलेज में पहुंची तो वहां की खूबसूरती को देखकर बहुत खुश हुई। मैंने सुश्री जुंको से बात की जो इस विलेज की संस्थापक और प्रमुख थी। वह बहुत विनम्र और उदार थी। हमारी एक सार्थक बातचीत हुई। मैंने उन्हें स्मृति चिन्ह के रूप में राजस्थान की पारंपरिक बालियां भेंट की, जिन्हें पाकर वह बहुत खुश हुई और जल्दी से उन्हें पहनने अंदर चली गई। मुझे भी बहुत खुशी हुई कि मेरा उपहार उन्हें पसंद आया।

मैं अपनी टीम के साथ होक्काइडो के स्थानीय हाई स्कूल गई जहां पर सभी छात्र–छात्राएं संकाय सदस्यों को देखकर बहुत खुश हुए। वे हमारे स्वागत के लिए इंतजार कर रहे थे। सब कुछ बहुत रोमांचक और सुंदर लग रहा था। स्कूल में मुझे पारंपरिक जापानी पोशाक किमोनो पहनने का मौका मिला। वहां की छात्राओं ने मुझे वह पोशाक पहनने में मदद की। सभी बहुत अच्छे थे, मेरी तस्वीर ली गई। इसके अलावा मुझे उनके साथ राइस पकोड़े बनाने का भी मौका मिला। हमने जापानी संगीत सुनते हुए एक दूसरे के सांस्कृतिक मूल्य और बातचीत को साझा किया। उन्होंने मेरा नाम पूछा और मुझे जापानी भाषा में अपना नाम लिखना सिखाया। स्कूल का दौरा करने के पश्चात छात्रों और स्टाफ सदस्यों ने गर्मजोशी से हमारे विदाई की।

तत्पश्चात मेरा मेजबान परिवार मुझे होटल से लेने आया और मैं उनके घर गई। उन्होंने मेरा स्वागत किया, आंटी ने तो मुझे गले से लगा लिया। उस परिवार में पति–पत्नी और उनका प्यारा सा कुत्ता शामिल है। उनका घर बहुत ही सुंदर जगह पर बना हुआ था, चारों तरफ सफेद बर्फीली वादियां और पहाड़ हैं। मेरा सामान एक कमरे में रखा जो बहुत ही सुंदर था। शाम को सबने मिलकर खाना खाया। वहां के खान–पान में और भारतीय खानपान में बहुत अंतर दिखा। उनके उबली हुई सब्जियां बिना मिर्च मसाले की थी और मैंने उनकी डाइनिंग टेबल पर अपने साथ लाई हुई भोजन सामग्री जिसमें खास तौर से देसी घी के लड्डू रखें, जिन्हें खाकर वह बहुत खुश हुए। मैं भारत से हूं यह जानकर वे लोग बहुत खुश हुए और उत्सुक हो भारत के बारे में मुझसे बातचीत करने लगे और मुझे वादा किया कि जल्द ही भारत आएंगे। उस शाम थकान की वजह से मेरी तबीयत थोड़ी बिगड़ गई, जिससे वे लोग बहुत चिंतित हो गए और मेरी बहुत देखभाल की।

मेजबान परिवार के साथ अगले दिन ही हमें बाहर घूमने का मौका मिला। मैंने वहां शीतकालीन खेलों का आनंद लिया। मछली तालाब और समुद्र देखा और शॉपिंग मॉल ले गए। इस दौरान मुझे कई स्थानीय साथियों से बात करने का मौका मिला जो मुझसे बात करके बहुत उत्साहित लगे। शाम को हम सभी विदाई पार्टी में गए जहां अपने मेजबान परिवार के सामने मैंने राजस्थानी वाद्य यंत्र खड़ताल बजाया और सभी को अपने सांस्कृतिक वाद्य यंत्र से परिचित कराते हुए उनके गाने भी सुने। मेरे जय श्री कृष्णा के अभिवादन पर वे लोग बार–बार जय श्री कृष्णा का जाप करने लगे। यह बहुत खूबसूरत और आनंददायक पल था। अविस्मरणीय अनुभव अलविदा कहने और फिर मिलने के वादे के साथ समाप्त हुआ।

यह मेरे लिए बहुत ही रोमांचित पल था जिसको मैं जीवन भर नहीं भूलूंगी। घर परिवार और देश से दूर परदेस में मुझे इतना स्नेह और प्यार मिला जिसकी मैंने कल्पना भी नहीं की थी। परदेस के ये चंद दिन सदैव मेरी स्मृतियों में संजोह कर रखूंगी।

स्काउट आवासीय विद्यालय

पर्यटन स्थलों का भ्रमण

स्काउट आवासीय विद्यालय के छात्रों का कराया गया जयपुर के पर्यटन स्थलों का भ्रमण

राज्य मुख्यायुक्त श्री निरंजन आर्य व राज्य सचिव डॉ. पी.सी. जैन के निर्देशानुसार राजस्थान बालचर आवासीय विद्यालय, जगतपुरा, जयपुर में अध्ययनरत कक्षा 9 के स्काउट विद्यार्थियों को 27 फरवरी 2024 को जयपुर के पर्यटन स्थलों का भ्रमण करवाया गया। राज्य प्रशिक्षण आयुक्त श्री बन्ना लाल ने हरी झंडी दिखाकर स्काउट्स को रवाना किया।

सर्वप्रथम बिरला मंदिर, मोती डूंगरी गणेश मंदिर का दर्शन करके सभी आमेर फोर्ट गये, वहां स्काउट ने आमेर महल का विज़िट किया। वहां पर इटली की गर्ल गाइड्स ने भी विद्यालय के स्काउट से भेंट की और साथ में फोटो खिंचवाया। इटली की गर्ल गाइड ने स्काउट से वार्तालाप कर इटली की स्काउटिंग गाइडिंग के बारे में बताते हुए भारत स्काउट गाइड के बारे में जानकारी प्राप्त की और गतिविधियों के बारे में अवगत कराया। तत्पश्चात सभी विद्यार्थियों ने जल महल, गढ़ गणेश जी, वर्ल्ड ट्रेड पार्क, जवाहर सर्किल एवं पत्रिका गेट का भ्रमण किया। स्काउट ने सांस्कृतिक धरोहर, हस्तकला, एवं भव्य ऐतिहासिक दरवाजों की वास्तुकला की जानकारी प्राप्त की। भ्रमण के दौरान सभी स्काउट्स ने अद्वितीय विचित्रता और रंगों का एक समंदर देखा। भ्रमण में सी.ओ. स्काउट भाविक सुथार, अध्यापक प्रहलाद सैन, पूजा पाराशर उपस्थित रहे।

स्काउट आवासीय विद्यालय संवाद कार्यक्रम

राजस्थान राज्य भारत स्काउट व गाइड, राज्य संगठन के तत्वावधान में संचालित राजस्थान स्काउट आवासीय विद्यालय खुड़ी, लक्ष्मणगढ़ में छात्रों से संवाद कार्यक्रम आयोजित किया गया।

इस अवसर पर राजस्थान राज्य भारत स्काउट व गाइड के राज्य प्रधान श्री गोविंद सिंह डोटासरा, राज्य सचिव डॉ. पी.सी. जैन, प्रधान लक्ष्मणगढ़ श्री मदन सेवदा, महिला सरपंच प्रतिनिधि खुड़ी श्री विक्रम ने विद्यालय का अवलोकन किया एवं पधारे हुए सभी अतिथियों को गार्ड ऑफ ऑनर द्वारा स्वागत किया गया। राज्य सचिव द्वारा पधारे हुए अतिथियों को स्कार्फ पहनाया तथा शाब्दिक स्वागत किया गया।

डॉ. जैन ने विद्यालय की वस्तु स्थिति से अवगत करवाया गया एवं आगामी वित्तीय वर्ष की आवश्यकताओं की जानकारी प्रदान की गई। इस संदर्भ में श्री गोविंद सिंह डोटासरा द्वारा आश्वस्त किया गया कि समस्त व्यवस्थाएं सुचारू रहेंगी तथा किसी प्रकार की कोई समस्या नहीं आने दी जाएगी।

संवाद के दौरान ही श्री डोटासरा एवं स्थानीय प्रधान श्री मदन सेवदा के प्रयासों से श्री गणेश राम गढ़वाल द्वारा अपने पिता स्वर्गीय चौधरी सागरराम गढ़वाल, फदनपुरा, रामगढ़ शेखावाटी की स्मृति में छात्रों को स्मार्ट क्लास की व्यवस्था की गई। श्री विजय फगेड़िया रेंजर द्वारा एक 200 लीटर के वाटर कूलर की व्यवस्था की गई। विद्यालय में किसी भी प्रकार की आवश्यकता के लिए श्री डोटासरा ने आश्वस्त करते हुए कहा कि इस विद्यालय में अध्ययन करने वाले समस्त बच्चे मेरे परिवार के सदस्य हैं और इनके लिए किसी भी प्रकार की कोई आवश्यकता है तो उसके लिए मेरे घर का दरवाजा हमेशा खुला रहेगा।

विशेष

विप्रो अर्थियन 2023 पुरस्कार

कोटड़ा विद्यालय को पांचवी बार मिला राष्ट्रीय स्तर पर विप्रो अर्थियन 2023 पुरस्कार

बंगलौर में भव्य कार्यक्रम में कोटड़ा के पांच स्काउट और स्काउटर नरेन्द्र सिंह रावत हुए शामिल

कोटड़ा विद्यालय वर्ष 2017, 2020, 2021 तथा 2022 में भी विप्रो अर्थियन अवार्ड से पुरस्कृत हो चुका है

प्रत्येक वर्ष विप्रो अजीम प्रेमजी फाउण्डेशन के सौजन्य से राष्ट्रीय स्तर पर पर्यावरण के क्षेत्र में उल्लेखनीय व नवाचार करने वाले विद्यालयों को अर्थियन पुरस्कार से सम्मानित किया जाता है। वर्ष 2023 के अर्थियन पुरस्कार के लिए राजस्थान के अजमेर जिले में स्थित राज.उ.मा.विद्यालय कोटड़ा का चयन किया गया।

कोटड़ा विद्यालय के इको क्लब व स्काउट्स द्वारा पर्यावरण संरक्षण एवं सस्टेनेबिलिटी के क्षेत्र में जल संरक्षण, जैव विविधता और वेस्ट मैनेजमेंट विषय पर किए गए कार्यों पर आधारित प्रोजेक्ट को इस पुरस्कार हेतु चुना गया है। कोटड़ा विद्यालय में वर्ष पर्यन्त वर्षा जल संग्रहण, जल संरक्षण, स्वच्छता, पर्यावरण जागरूकता, पक्षियों व जंतुओं के प्रति दया भाव, और जिम्मेदारी के साथ कचरा प्रबंधन पर विशेष कार्य किया जा रहा है। इसी के फलस्वरूप पुरस्कार के लिए चयन किया गया।

बैंगलुरू में 24 से 25 फरवरी 2024 को आयोजित पुरस्कार कार्यक्रम में भाग लेने हेतु कोटड़ा से विजेता दल के 5 स्काउट इको क्लब प्रभारी स्काउटर नरेन्द्र सिंह रावत के नेतृत्व में गये। ग्रामीण क्षेत्र के राजकीय विद्यालय के स्काउट विद्यार्थियों को जयपुर से बैंगलुरू व वापसी का हवाई यात्रा का अद्भुत रोमांचक अवसर व अनुभव प्राप्त हुआ।

विप्रो अजीम प्रेमजी फाऊंडेशन के चेयरमेन ऋषद प्रेमजी, सीईओ अनुराग बहर ने पुरस्कार में विद्यालय को 50 हजार रुपए, शानदार ट्रॉफी, स्काउट्स को पर्यावरण किट तथा प्रशस्ति पत्र प्रदान किए।

कोटड़ा के पांच स्काउट – भरत सिंह, प्रतीक सिंह, विनोद सिंह, पवन कटारिया और लेखराज कटारिया ने स्काउटर नरेन्द्र सिंह रावत के साथ यह शानदार पुरस्कार प्राप्त किया। राष्ट्रीय स्तर का पुरस्कार मिलने पर कोटड़ा विद्यालय के उप प्रधानाचार्य श्री श्योराम सैनी, सुनील कुमार सिंह, अनिल शर्मा सहित समस्त स्टॉफ ने हर्ष व गर्व महसूस किया है।

कोटड़ा के सरपंच प्रवीण सिंह सहित एसडीएमसी व समस्त ग्रामवासियों ने बधाई और शुभकामनाएं देते हुए इसे गौरवपूर्ण उपलब्धि बताया।

उल्लेखनीय है कि कोटड़ा विद्यालय को इससे पूर्व वर्ष 2017, 2020, 2021 तथा 2022 में भी विप्रो अर्थियन पुरस्कार विजेता का सम्मान प्राप्त हुआ है। वर्ष 2013 में प्रथम बार स्काउटर नरेन्द्र सिंह रावत के मार्गदर्शन में राजकीय जैन गुरुकुल उच्च माध्यमिक विद्यालय जल संरक्षण के क्षेत्र में विप्रो अर्थियन पुरस्कार विजेता रह चुका है।

महिला दिवस आयोजन में राजस्थान का प्रतिनिधित्व

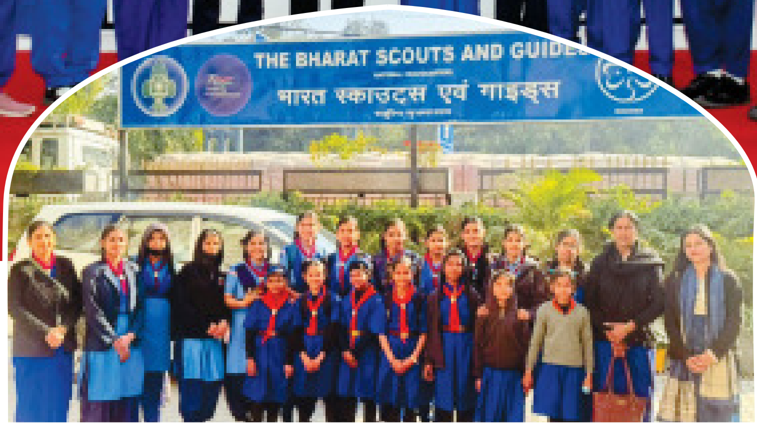

भारत स्काउट व गाइड, राष्ट्रीय मुख्यालय, नई दिल्ली के तत्वावधान में 8 मार्च को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में अलवर सहित राजस्थान के भरतपुर और झुंझुनू जिले की गाइड, रेंजर और बुलबुल ने भाग लिया। कार्यक्रम का संचालन श्रीमती सुरेखा श्रीवास्तव संयुक्त निदेशक गाइड के द्वारा किया गया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि श्रीमती मुक्ता गुप्ता, तनुश्री पारेख, डॉ. नीतू अरोड़ा और नीलम गुप्ता रहीं। कार्यक्रम में पोस्टर प्रतियोगिता, नृत्य प्रतियोगिता और क्विज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में राजस्थान के द्वारा उत्कृष्ट प्रदर्शन किया गया।

उक्त कार्यक्रम में राजस्थान के अलावा दिल्ली, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, दिल्ली जामिया स्टेट आदि ने भाग लिया।

CELEBRATIONS DAYS : APRIL-MAY 2024

07 April	:	World Health Day
22 April	:	World Earth Day
23 April	:	World Book Day
15 May	:	World Family Day
18 May	:	International Museum Day
22 May	:	International Day for Biological Diversity
30 May	:	Hindi Journalism Day
31 May	:	World No-Smoking Day

Plan an activity with your unit on these days and send your success stories & photos to "scoutguidejyoti@gmail.com"

विशेष

रक्तदान कर मनाई शादी की सालगिरह

राजकीय सामान्य चिकित्सालय करौली में एक बालिका ऐसी भर्ती थी, जिसका हीमोग्लोबिन केवल चार रह गया था और रक्त के लिए उसके घर वाले दर–दर भटक रहे थे। ऐसे में स्काउट मास्टर दिनेश कुमार सैनी को सी.ओ. स्काउट अनिल कुमार गुप्ता ने सूचना दी और स्काउट मास्टर दिनेश कुमार सैनी ने बिना किसी देरी के तत्काल रक्तदान की हां कर दी और सामान्य चिकित्सालय पहुंचकर रक्तदान किया।

सचिव स्थानीय संघ करौली मुकेश कुमार सारस्वत के अनुसार शुक्रवार दिनांक 15 मार्च को स्काउट मास्टर दिनेश कुमार सैनी की शादी की प्रथम सालगिरह का दिन था, जिसको उन्होंने रक्तदान करके मनाया और रक्तदान करके दिनेश कुमार सैनी अत्यधिक प्रसन्न नजर आ रहे थे। उनकी धर्मपत्नी संगीता सैनी ने भी इसके लिए खुशी जाहिर की और अपने पति द्वारा किए गए पुनीत कार्य के लिए शुभकामनाएं दी।

स्काउट मास्टर बृज किशोर शर्मा, सी.ओ. गाइड निरमा मीणा, ट्रेनिंग काउंसलर पूरणमल डांगुर, राष्ट्रपति रोवर मान प्रकाश शर्मा, स्काउट मास्टर शिवेंद्र दुबे, मनीष कुमार शर्मा, प्रधानाचार्य रमेश चंद्र मीणा ने श्री सैनी को उनके द्वारा रक्तदान जैसे पुण्य कार्य के लिए उन्हें बहुत–बहुत बधाई एवं शुभकामनाएं दी। बालिका के अभिभावकों ने स्काउट मास्टर दिनेश कुमार सैनी एवं भारत स्काउट एवं गाइड संगठन का आभार व्यक्त किया।

स्काउट व रोवर की गांधी दर्शन यात्रा

राजस्थान राज्य भारत स्काउट व गाइड, जिला मुख्यालय, सीकर के स्काउट और रोवर ने शांति एवं अहिंसा विभाग द्वारा आयोजित राज्य स्तरीय गांधी दर्शन यात्रा में भाग लिया। यात्रा के अन्तर्गत अनेक दार्शनिक स्थानों पर जैसे द्वारिका में द्वारिकाधीश जी के मंदिर, अरब सागर, साबरमती आश्रम, साबरमती नदी, इस्कॉन मंदिर, पोरबंदर बीच व गांधीजी का जन्म स्थान, सोमनाथ मंदिर, स्टेच्यु ऑफ यूनिटी एवं नर्मदा नदी की यात्रा कराई गई और इन स्थलों के बारे में जानने का मौका मिला।

रोवर प्रभारी राजेश्वर दयाल भाट और सहायक प्रभारी श्यामरथ, अरुण सबल, राहुल, युवराज भारती, रोहित जांगिड़, स्काउट मास्टर इरशाद, रोवर आदिल खान, रोवर राजेन्द्र महला, रोवर लखन बावरिया, रामलाल ने भाग लिया।

स्काउट गाइड शिविर जीवन बदलने का मार्ग

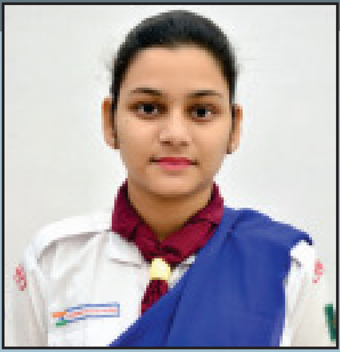

विश्वा जैन
छात्राध्यापिका
श्रीनाथ कॉलेज, डूंगरपुर

**देश के लिए जिए, समाज के लिए जिए,
ये धड़कने ये स्वास हो, मातृभूमि के लिए....**

शिक्षण प्रशिक्षण ट्रेनिंग के दौरान छात्राध्यापकों को स्काउट/गाइड गतिविधि का 7 दिवसीय शिविर करना होता है। वैसे तो इस शिविर को करने से मानव में अनेक गुणों का विकास होता है, लेकिन शिविर से देश प्रेम की भावना से भी हम ओत–प्रोत हो जाते हैं। यह एक ऐसा शिविर है जो अपने राष्ट्र या देश के प्रति अपने कर्तव्यों का पालन करना सिखाता है। देश की सेवा हम केवल सेना में भर्ती होकर ही नहीं करते है बल्कि हम सीमाओं के भीतर रहकर भी निःस्वार्थ भाव से सेवा कर सकते हैं। यह कार्य भी सेना में भर्ती होने जैसा और राष्ट्र के प्रति अपने कर्तव्यों के अंतर्गत ही आता हैं। इन कर्तव्यों की सुचारू रूप में हमे पालना करना सिखाती है ''स्काउटिंग''...।

जब मुझे पता चला कि हमारे महाविद्यालय में इस कैम्प का आयोजन किया जाएगा तो मन में कई प्रकार के प्रश्न उठे थे कि 7 दिवसीय शिविर में आखिर होगा क्या ? मेरे लिए जीवन में यह पहला अनुभव था कि घर से सात दिन के लिए बाहर रहकर इस प्रकार का शिविर करना है। तत्पश्चात मन में एक नई उमंग पैदा हुई और जिज्ञासा से भरा हमारा अवचेतन मन एक नई दिशा की ओर चला गया।

जब शिविर का प्रथम दिवस आया तो उत्सुकता से भरा माहौल था। इस शिविर के दौरान प्रशिक्षण स्थल पर स्काउट यूनिट लीडर बेसिक कोर्स, कब यूनिट लीडर बेसिक शिविर, वार्षिक ग्रुप शिविर का आयोजन किया जा रहा था। कैम्प के दौरान हमने सबसे पहले अपना स्वपरिचय दिया। लेकिन स्काउट गाइड का प्रशिक्षण देने वाले शिक्षकों का परिचय देने का तरीका ही कुछ निराला था। तब मुझे लगा की इस सात दिवसीय शिविर में निश्चित ही मुझे कुछ तो अनोखा सीखने का अवसर मिलेगा। इस दौरान मैंने देखा कि स्वपरिचय देने से पहले अपनी बात को रखने से पहले हर एक प्रशिक्षण देने वाले शिक्षक अभिवादन के तौर पर सैल्यूट करते है। इस प्रकार के सैल्यूट की बात ही कुछ अद्भुत थी जो की मुझे आकर्षित कर रही थी। इस शिविर में संभागियो को दस–दस के समूह निर्माण का कार्य शुरू हुआ। ये समुह निर्माण एक अनोखे तरीके से होता है और इसकी खास बात थी कि समूह निर्माण का नामकरण पशु–पक्षियों और अनेक पुष्पों के नाम पर रखा जाता है। इस समूह में जो लीडर होता है उसकी समूह में मुख्य भूमिका रहती है। तत्पश्चात प्रथम दिवस के कालांश हुए, जिनमें शुरुआत ही कुछ बेहतरीन हुई। एक सुंदर गीत के माध्यम से असीम उत्साह पैदा हुआ और शिविर में रूचि जाग्रत हुई। हमें कई जानकारियों से अवगत कराया गया। यह उत्साह प्रथम दिवस से अंतिम सातवें दिवस तक उसी जोश के साथ बना रहा। शिविर के दौरान स्काउटिंग के माध्यम से हमारा सर्वांगीण विकास हुआ और इस पूरे बेसिक कोर्स में अनेक गतिविधियों से हमें परिचित करवाया गया। जैसे प्राथमिक सहायता के दौरान हमें क्या–क्या उपयोगी वस्तुओं का उपयोग करना चाहिए, रस्सी की विभिन्न गांठों की जानकारी, जिससे अनेक प्रकार की सुरक्षा हो सके, व्यायाम के शानदार और हमारे लिए नए तरीके, व्यायाम करने के लाभ और स्काउटिंग की अपने जीवन में मुख्य भूमिका बताई गई। स्काउटिंग गतिविधि में हमें प्रतिदिन एक नए कौशल की जानकारी होती है और शिविर के दौरान हमें मनोरंजन के साथ–साथ कई ऐसी उपयोगी व सहायक जानकारी प्रदान की जो कि प्रत्येक स्काउट गाइड को होनी चाहिए। स्काउटिंग के 9 नियम की पालना शिविर में करवाई बल्कि आम जीवन में भी हमेशा पालन करते हुए सबसे भाई–चारे के साथ और निःस्वार्थ सेवा भाव के साथ पालना करने के लिए प्रेरित किया।

इस शिविर के दौरान हमने स्काउट प्रशिक्षकों से बहुत कुछ सीखा। उन्होंने हमारे भीतर एक नई उमंग पैदा की। कुछ करने का, अपने देश के प्रति सेवा का भाव जाग्रत किया। इस कड़ी में सर्वप्रथम डूंगरपुर जिले के सी.ओ. स्काउट सुनील कुमार सोनी, जिनसे हमें आगे बढ़ने और अपने कर्तव्यों का पालन करने का एक नया जोश पैदा हुआ और जीवन में अनुशासन का सही मतलब पता चल पाया, का शांत और सरल व्यवहार हमें प्रभावित कर रहा था। तत्पश्चात स्काउट यूनिट लीडर शिविर के संचालक सुभाष पारीक, जिनकी बात ही कुछ निराली थी। विलक्षण प्रतिभा के धनी सुभाष जी ने पूरे शिविर को पहले दिन से ही अपनी प्रतिभा, कौशल से अपना बना लिया। वह सिर्फ केवल एक शिक्षक के रूप में ही नहीं बल्कि उस पूरे शिविर के दौरान वह हम सभी संभागियों के दोस्त और मार्गदर्शक के रूप में रहे। उन्होंने हमारे अन्दर छुपी प्रतिभाओं को सबके सामने लाने का शानदार प्रयास किया जिसमे वो सफल भी हुए। सभी संभागियों ने पूरे शिविर में अपनी झिझक को दूर करके शानदार तरीके से शिविर में सहभागिता की। पूरे शिविर के दौरान प्रत्येक संभागी के आत्मविश्वास की बढ़ोत्तरी का श्रेय निश्चित रूप से सुभाष पारीक सर को ही जाता है। इस शिविर के दौरान सभी स्काउट प्रशिक्षकों ने हमें अपनेपन की अनुभूति करवाते हुए

स्काउटिंग की हर एक जानकारी से अवगत करवाया। खूब उमंग उल्लास के साथ सभी ने इस शिविर में हमें ज्ञान से ओत प्रोत करवाया।

इस सात दिवसीय शिविर के अन्तर्गत हमें हर प्रकार की जानकारी दी गई। जागरूकता रैली के माध्यम से सहज ही प्रकृति की दशा में बदलाव लाने का प्रयास किया गया। राजस्थान के लोक नृत्य, लोक गीत के सांस्कृतिक कार्यक्रम कैंप फायर में आयोजित किए गए। इसी दौरान कई छुपी हुई प्रतिभाएं उजागर हुई और हमारा आत्मविश्वास एक नई दिशा की ओर बढ़ा।

सबसे खास बात इस शिविर में स्काउट गाइड के जनक "लार्ड राबर्ट स्टीफेन्सन स्मिथ बेडन पावेल की जीवनी से हम परिचित हुए और स्काउट गाइड के प्रति हमारा समर्पण और बढ़ने लगा। स्काउट गाइड के शिविर के दौरान हमारी दिनचर्या कुछ बदली–बदली नजर आने लगी और एक जागरूक नागरिक होने से हमारे कर्तव्यों का हमें पता चला। स्काउड गाइड के इस शिविर के दौरान हमें ऐसा लगा शायद हम किसी के जीवन दूत बनकर उभर सकते हैं।

''स्काउटिंग वह मार्गदर्शक पथ है जो हमारे जीवन का मार्ग सुगम बनाता है।''

हिमालय वुड बैज कोर्स

भारत स्काउट व गाइड, राष्ट्रीय मुख्यालय, नई दिल्ली द्वारा प्रदत्त स्वीकृति पर राजस्थान राज्य भारत स्काउट व गाइड के तत्वावधान में 7 दिवसीय हिमालय वुड बैज कोर्स का आयोजन 27 फरवरी से 4 मार्च 2024 तक मण्डल प्रशिक्षण केन्द्र, बनीपार्क, जयपुर पर किया गया। शिविर में राजस्थान के 12 जिलों से 16 संभागी गाइडर्स ने भाग लेकर सफलतापूर्वक अपनी योग्यता वृद्धि की।

राष्ट्रीय प्रशिक्षण केन्द्र से डिप्टी डायरेक्टर (गाइड लीडर ट्रेनिंग) श्रीमती कुमुद मेहरा के निर्देशन में आयोजित सात दिवसीय इस कोर्स का सफल संचालन श्रीमती शकुन्तला पाण्डे, लीडर ट्रेनर (गाइड) द्वारा किया गया।

शिविर के दौरान दैनिक गतिविधियाँ में बी.पी. सिक्स, योगाभ्यास, सूर्य नमस्कार, सेवा कार्य, ध्वजारोहण, निरीक्षण, खेल जैसे सभी कार्यक्रमों को योजनाबद्ध एवं सुव्यवस्थित करते हुए संभागियों ने समयबद्धता, अनुशासन, आपसी सहयोग जैसे जीवन के महत्वपूर्ण गुणों को विकसित करके स्वयं का नवाचार किया।

नव प्रशिक्षण में कोर्स लीडर श्रीमती शकुन्तला पाण्डे एवं उनकी कर्तव्यनिष्ठ व कार्यकुशल टीम द्वारा स्कीम ऑफ ट्रेनिंग के अनुसार गाइड स्किल में पायनियरिंग, फर्स्टएड, केम्पिंग, मेपिंग, सिग्नलिंग व एस्टीमेशन का व्यवहारिक प्रशिक्षण एवं अभ्यास के साथ निर्धारित पाठ्यक्रम का ज्ञान प्रदान किया गया। प्रशिक्षण टीम में– 1 परमेश्वरी चारण, 2. उमा वर्मा, 3. प्रिंयका कुमार खीचड़ इत्यादि प्रशिक्षकों के साथ सुमित्रा गुप्ता, महिपाल सिंह तंवर, गगनदीप कौर, कृष्णा सैनी की सेवाएं भी अतिथि प्रशिक्षक के रूप में प्रशंसनीय रही। नेतृत्व क्षमता और शारीरिक स्वास्थ्य के विकास को केन्द्रित करते हुए संभागियों ने माइक्रो टिचिंग एवं खेलों का बेहतर प्रदर्शन दिया। संभागियों ने नाइट हाइक के दौरान सीकर के पलसाना ब्लॉक में स्थित श्री खाटू श्यामजी भगवान का दर्शन लाभ लिया।

शिविर के दौरान समय–समय पर राज्य पदाधिकारियों में राज्य सचिव डॉ. पी.सी.जैन, पूर्व राज्य संगठन आयुक्त बृजरानी माथुर, राज्य सगंठन आयुक्त पूरण सिंह शेखावत ने शिविर व्यवस्थाओ का अवलोकन कर संभागियों एवं प्रशिक्षकों को मार्गदर्शन प्रदान किया।

राज्य प्रशिक्षण आयुक्त (गाइड) एवं संभागी गाइडर्स ने स्काउट व गाइड राष्ट्रीय मुख्यालय, नई दिल्ली के पदाधिकारियों एवं इन्चार्ज डिप्टी डायरेक्टर गाइड लीडर ट्रेनिंग पंचमढ़ी को राजस्थान के जयपुर जिले में हिमालय वुड बैज कोर्स आयोजित करने पर हार्दिक साधुवाद प्रेषित किया।

गतिविधि दर्पण

प्रदेश में विभिन्न स्तरों पर आयोजित शिविरों, गतिविधियों इत्यादि की संक्षिप्त रिपोर्ट

अजमेर मण्डल

◈ भारत स्काउट व गाइड, राष्ट्रीय मुख्यालय, नई दिल्ली के निर्देशन में 12 से 16 मार्च 2024 तक राष्ट्रीय प्रशिक्षण केंद्र गदपुरी हरियाणा में रीजनल लेवल कब बुलबुल उत्सव का आयोजन होगा। इसमें सहभागिता हेतु भीलवाड़ा जिले से कुडोज किड्स स्कूल के कब मास्टर हंसराज यादव एवं 12 कब बालक तथा फ्लॉक लीडर मधुबाला यादव एवं 12 बुलबुल बालिकाओं का चयन हुआ है। स्काउट गाइड संगठन की राष्ट्रीय ट्रेनिंग टीम के सदस्य प्रेम शंकर जोशी ए.एल.टी.

(स्काउट) के निर्देशन में 5 से 10 वर्ष आयु वर्ग के इन कब बुलबुल बालकों को यूनिफॉर्म की संभाल, विशाल गर्जना, खेल प्रतियोगिताओं, नियम, प्रतिज्ञा, प्रार्थना का अभ्यास कराया गया। मिलजुल कर कार्य करने की भावना, व्यवहार कुशलता, हंसमुखता, चंचलता, उत्तरदायित्व निभाने की क्षमता, दक्षता आदि गुणों के विकास के लिए गहन प्रशिक्षण प्रदान किया गया। इस अवसर पर श्री जोशी ने कहा कि कुडोज किड्स स्कूल के इन होनहार कब बुलबुल बालकों को नियमित अभ्यास कराया जा रहा है ताकि रीजनल लेवल उत्सव में ये उच्च स्तरीय प्रदर्शन कर विद्यालय एवं भीलवाड़ा जिले का नाम रोशन कर सकेंगे। अभ्यास कार्यक्रम में जया मोतियानी, हंसराज यादव, टोनिया कंवर, नंद भंवर, मधुबाला यादव का विशेष सहयोग रहा।

बीकानेर मण्डल

◈ भारत स्काउट एवं गाइड, राष्ट्रीय मुख्यालय के निर्देशानुसार श्रीगंगानगर स्थित डीएवी विद्यालय में सर्फ स्मार्ट 2.0 प्रोजेक्ट के अंतर्गत तीन दिवसीय कार्यशाला आयोजित की गई। समूह के लिए एक सुरक्षित स्थान बनाने और इस बात पर विचार करने के लिए कि वे इंटरनेट का उपयोग कैसे करते हैं और अपने ज्ञान और समझ को कहां गहरा करना है, इत्यादि समझाना कार्यशाला का उद्देश्य था। स्काउट मास्टर सौरभ द्वारा ऑनलाइन, गतिविधियाँ आरंभ करना, खोजें..इंटरनेट चमत्कार, जुड़ें...सकारात्मक रूप से ऑनलाइन, ऑनलाइन

जोखिमों से स्वयं को सुरक्षित रखें, सम्मान...आपके डिजिटल अधिकार और पदचिह्न का, कल्पना कीजिए...एक बेहतर इंटरनेट पर प्रकाश डाला गया। इस कार्यशाला में स्कूल के स्काउट गाइड और अन्य विद्यार्थियों ने भाग लिया। जिला श्रीगंगानगर के सी.ओ. स्काउट इंद्राज सुथार ने बताया कि राष्ट्रीय मुख्यालय द्वारा बीएसजी का राज्य प्रशिक्षक प्रशिक्षण–डिजिटल स्मार्ट जेनरेशन, सर्फ स्मार्ट 2.0 में स्काउट मास्टर सौरभ ने प्रशिक्षण प्राप्त किया है। उनको राष्ट्रीय मुख्यालय द्वारा प्रमाण पत्र दिया गया।

विद्यालय के प्रधानाचार्य धर्मपाल शर्मा, खेल प्रभारी व मुख्य संरक्षक रामलाल सहारण ने सभी स्काउट को बधाई देकर उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। इस अवसर पर विद्यालय के अध्यापक विकास भादू, सुनील भुवाल आदि उपस्थित रहे।

जयपुर मण्डल

◈ राजस्थान बालचर आवासीय विद्यालय, जगतपुरा, जयपुर में विश्व स्काउट दिवस 22 फरवरी 2024 राज्य प्रशिक्षण आयुक्त श्री बन्ना लाल के मुख्य आतिथ्य में आयोजित किया गया। राज्य प्रशिक्षण आयुक्त ने आज के दिन का महत्व, जीवन में किस प्रकार से प्रगति करनी है और एक स्काउट के रूप में अपना योगदान, अपने परिवार के प्रति, देश के प्रति और समाज के प्रति अपने कर्तव्यों का निर्वहन कैसे करें, इत्यादि के बारे में बताया। लॉर्ड एवं लेडी बेडेन पावेल को माल्यार्पण के

साथ दिवस की शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम का संचालन सी.ओ. स्काउट भाविक सुथार एवं आभार विद्यालय प्रधानाचार्य विमल प्रकाश शर्मा द्वारा व्यक्त किया गया।

- भारत स्काउट व गाइड, स्थानीय संघ बस्सी, जिला जयपुर क्षेत्राधीन गाइड कंपनी राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय माधोगढ़ द्वारा अनूठा दीक्षांत समारोह मनाया गया। स्कूल शिक्षा पूर्ण कर चुकी कक्षा 12 की समस्त बालिकाओं को प्लाई से बने गोरैया चिड़िया की घोंसले बांटे गए।

सहायक जिला कमिश्नर, ट्रुप लीडर एवं प्रधानाचार्य शिव शंकर प्रजापति ने जानकारी दी कि कच्चे घरों का प्रचलन समाप्त हो जाने के कारण गौरैया चिड़िया की प्रजाति लुप्त होने के कगार पर है। उन्हें नैसर्गिक प्राकृतिक आवास उपलब्ध हो, इसी मंतव्य से इस गाइड कंपनी द्वारा लकड़ी की प्लाई से बने घोंसले तैयार किए गए। गोरैया बचाओ अभियान का शुभारंभ दीक्षांत समारोह में बालिकाओं को घोंसले वितरित

कर किया गया। चिड़ियाओं के प्रजनन सीजन चैत्र माह से पूर्व लगभग 200 घोंसले तैयार कर लगाने का लक्ष्य है।

मुख्य अतिथि के रूप में बोलते हुए विशेष योग्यजन आयोग के उपायुक्त गोरधन लाल शर्मा ने कहा कि स्काउटिंग का पांचवा नियम है कि गाइड पशु पक्षियों की मित्र एवं प्रकृति प्रेमी होती है। इसी नियम की पालना इस गाइड कंपनी ने प्रयोगात्मक रूप से करते हुए गौरैया की लुप्त होती प्रजाति को बचाने का अनूठा प्रयास किया है। उपायुक्त ने बालिकाओं के कैरियर हेतु क्रोनोलॉजी की मासिक पत्रिका विद्यालय को आजीवन निःशुल्क उपलब्ध करवाने की घोषणा की।

स्थानीय संघ, लालसोट के सचिव श्रीकांत शर्मा ने सभी गाइड बालिकाओं को स्पेशल कैप भेंट की एवं मेधावी गाइड मोहिनी सैनी को फ्री बीइंग मी का बैच प्रदान किया। गाइड कैप्टन जया पारीक ने गाइड बालिकाओं का परीक्षण कैंप आयोजित किया। भामाशाह राजेश जायसवाल ने विद्यालय को वाटर कूलर भेंट करने की घोषणा की। आगन्तुक अतिथियों को बालिकाओं द्वारा स्व निर्मित चित्रकृतियां भेंट की गई। इस दौरान अन्तर्राष्ट्रीय मोटा अनाज वर्ष, रेड डाटा बुक, विद्यालय समाचार पत्रों की नजर में, पायनियरिंग, गेजेट्स आदि संदर्भों की एक प्रदर्शनी आयोजित की गई, जिसकी सभी दर्शकों ने भूरी भूरी प्रशंसा की। इस मौके पर पंचायत समिति सदस्य प्रेमचंद प्रजापति, स्काउट उप प्रधान संगीता शर्मा सहित अनेक अभिभावक उपस्थित रहे।

जोधपुर मण्डल

- सिंगल यूज प्लास्टिक रोकथाम पर 12 मार्च को जोधपुर के स्थानीय संघ बिलाड़ा के विभिन्न विद्यालयों के साथ गतिविधियों का आयोजन किया गया। गांव में रैली निकालकर लोगों को सिंगल यूज प्लास्टिक के रोकथाम के लिए जागरूक किया गया। पोस्टर प्रतियोगिता द्वारा बच्चों के अंदर जागरूकता भरने की कोशिश की गई। इस अवसर पर स्थानीय संघ सचिव केसाराम, प्रधान बिंजाराम ने सभी का

स्वागत किया। सी.ओ. गाइड निशु कंवर ने सिंगल यूज प्लास्टिक के रोकथाम पर अपने विचार व्यक्त किए। विद्यालय के प्रधानाचार्य अनिल जी ने पधारे हुए सभी महानुभावों को धन्यवाद अर्पित किया। सत्यनारायण जी, कुसुमलता जी, ओम सिंह जी, अस्मिता जी, प्रेम जी व जिला मुख्यालय जोधपुर से अरूणा सोलंकी, सोनिया देवड़ा इत्यादि इस कार्यक्रम में उपस्थित थे।

- भारत स्काउट व गाइड, जिला मुख्यालय, पाली के तत्वावधान में 1 से 5 मार्च 2024 तक आयोजित अनाथालय स्काउट गाइड प्रशिक्षण शिविर में 51 स्काउट गाइड ने भाग लेकर प्रशिक्षण प्राप्त किया। शिविर का संचालन पुरुषोत्तम पुरी गोस्वामी के द्वारा किया गया। बतौर स्टाफ प्रदीप कुमार शर्मा, वजाराम राण, हिम्मत पटेल, नसीम बानो द्वारा सेवाएं प्रदान की गई। राज्य सरकार की सहायता से अनाथ स्काउट गाइड

के लिए आयोजित प्रशिक्षण शिविर में संभागियों को निःशुल्क गणवेश वितरित की गई। सी.ओ. स्काउट गोविंद मीणा ने सभी संभगियो को संबोधित करते हुए सभी संभागियों को नियमित शिविरों के आयोजन में सहभागिता करने के साथ ही अपनी योग्यता वृद्धि करके राज्य पुरस्कार और राष्ट्रपति अवार्ड तक की योग्यता अर्जित करने का भी मार्गदर्शन प्रदान किया तथा नियमित पढ़ाई एवं अनुशासन को जीवन में उतारने का भी पाठ पढ़ाया। सी.ओ. डिंपल दवे द्वारा इस अवसर पर सभी को आगामी शिविरों के आयोजन में सहभागिता एवं राज्य पुरस्कार शिविर की तैयारी हेतु आवश्यक जानकारी उपलब्ध करवाई। शिविर संचालक पुरुषोत्तम पुरी गोस्वामी ने प्राथमिक सहायता, नियम, प्रतिज्ञा, झंडा गीत, पायनियरिंग, गांठों का ज्ञान तथा आंदोलन के सिद्धांत, नियम, कर्तव्य एवं अन्य पाठ्यक्रम के संबंध में जानकारी एवं प्रशिक्षण प्रदान किया।

- भारत स्काउट व गाइड, जिला मुख्यालय, पाली के तत्वावधान में 01 से 03 मार्च 2024 तक आयोजित किए गए जिला स्तरीय कब बुलबुल उत्सव आयोजित किया गया। संभागियों को विभिन्न प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने पर प्रमाण पत्र और स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। जिला स्तरीय कब बुलबुल उत्सव के समापन समारोह में मुख्य अतिथि अतिरिक्त जिला कलक्टर सीलिंग बी.एस. पंवार, सहायक स्टेट कमिश्नर गाइड नूतन बाला कपिला, सहायक राज्य संगठन आयुक्त जोधपुर बाबू सिंह राजपुरोहित, मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी एवं जिला मुख्य आयुक्त चंद्र प्रकाश जायसवाल, अतिरिक्त जिला परियोजना समन्वयक प्रकाश

चंद्र सिंगाड़िया, प्रभारी सहायक जिला कमिश्नर पाली बसंत परिहार, सी.ओ. डिंपल दवे एवं गोविंद मीणा रहे। जिले के विभिन्न विद्यालयों से 90 कब बुलबुल ने शिविर में सहभागिता की। कब बुलबुल उत्सव में संभागियों के लिए आयोजित गतिविधियों में बाधा दौड़, जलेबी चम्मच दौड़, पानी बताशे खाने की प्रतियोगिता, एवं विभिन्न प्रकार के खेलों का आयोजन करवाया गया।

- भारत स्काउट व गाइड, जिला मुख्यालय, सिरोही द्वारा आयोजित जिला स्तरीय अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति स्काउट गाइड प्रशिक्षण शिविर जिला मुख्यालय

सिरोही पर अतिरिक्त जिला कलक्टर सिरोही दिनेश राय सपेला के मुख्य आतिथ्य में प्रारंभ हुआ। अतिरिक्त जिला कलक्टर ने संभागी स्काउट गाइड को स्काउट गाइड पोशाक वितरित की। शिविर में जिला स्तर से 80 स्काउट गाइड सम्मिलित हुए। शिविर संचालक तोलाराम फाचरिया, बाबूलाल सैनी, धीर सिंह गुर्जर, सुश्री आशा कुमारी ने प्रशिक्षण प्रदान किया।

कोटा मण्डल

- भारत स्काउट व गाइड, जिला मुख्यालय, बारां द्वारा 22 फरवरी लॉर्ड व लेडी बेडन पावेल के जन्मदिवस के अवसर पर सार्वजनिक पार्क में सर्वधर्म प्रार्थना सभा का आयोजन किया गया। सर्वधर्म प्रार्थना सभा में सभी धर्म की प्रार्थना के साथ निर्गुण भजन रोवर रेंजर द्वारा प्रस्तुत किए गए। इससे पूर्व जिला मुख्यालय, बारां से स्वच्छता रैली को दीपेंद्र नागर युवा साथी ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर सी.ओ. स्काउट प्रदीप चित्तौड़ा, जिला कमिश्नर वयस्क अमजद युसूफी, जिला हैडक्वार्टर कमिश्नर भैरूलाल वर्मा, सी.ओ. गाइड सुनीता मीणा भी उपस्थित रहे। स्वच्छता रैली का रोवर स्काउट कमलेश मीणा ने नेतृत्व प्रदान किया। सर्वधर्म प्रार्थना सभा के उपरांत रोवर रेंजर द्वारा राष्ट्रीय ग्रीन कोर योजना के अंतर्गत स्वच्छता पखवाड़े में सार्वजनिक पार्क की साफ सफाई की गई। प्रदीप चित्तौड़ा ने बताया कि लॉर्ड बेडन पावेल के जन्मोत्सव पर सभी रोवर रेंजर स्काउट गाइड द्वारा मृदुल भवन पर सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं चिंतन दिवस का आयोजन किया गया। जिला कमिश्नर वयस्क अमजद युसूफी ने सभी स्काउट गाइड रोवर रेंजर को स्काउट के

जन्मदाता की जीवनी के बारे में विस्तार से जानकारी देते हुए संगठन के माध्यम से सेवा कार्य करने की अपील की। इसके उपरांत इंटक के जिला कन्विनर जितेंद्र शर्मा ने बारां पुरातत्व धरोहर के बारे में जानकारियां देते हुए सभी रोवर रेंजर से धरोहर की जानकारी जन–जन तक पहुंचाने का कार्य करने की अपील की।

- भारत स्काउट व गाइड, जिला मुख्यालय, बारां के सी.ओ. स्काउट प्रदीप चित्तौड़ा द्वारा राज्य सरकार की 100 दिवसीय कार्य योजना के अंतर्गत निर्देशानुसार निष्क्रिय ग्रुपों को सक्रिय करने के उद्देश्य से बारां शहर के सरकारी व निजी विद्यालयों में संपर्क कर स्काउट गतिविधि को सुचारू रूप से संचालित करने हेतु निवेदन करते हुए संगठन की जानकारियां प्रदान दी गई। साथ ही विद्यालय के बालक बालिकाओं को संगठन द्वारा किस प्रकार संस्कारवान बनाते हुए तृतीय सोपान राज्य पुरस्कार जैसे अवार्ड प्राप्त किए जा सकते हैं, के बारे में संपूर्ण जानकारियां प्रदान की। इस अवसर पर हैडक्वार्टर कमिश्नर भैरूलाल वर्मा ने बताया कि विद्यालय में स्काउट गाइड संगठन के माध्यम से समाज से किस प्रकार

जुड़ा जा सकता है एवं एक बालक बालिका को स्काउट गाइड से जुड़कर सेवा के आयाम में मदद करते हुए समाज के लिए सुनागरिक कैसे बनाया जाता है। इस अवसर पर प्रदीप चित्तौड़ा ने ग्रीन कोर योजना के अंतर्गत ऊर्जा संरक्षण, जल संरक्षण, पर्यावरण संरक्षण आदि कार्यों की भी जानकारियां विद्यालयों को प्रदान की।

- भारत स्काउट व गाइड, जिला मुख्यालय, बारां के तत्वावधान में तृतीय सोपान, चतुर्थ चरण, निपुण रोवर जांच शिविर का शुभारम्भ जिला शिक्षा अधिकारी माध्यमिक शिक्षा पीयूष कुमार शर्मा के मुख्य आतिथ्य एवं सी.ओ. स्काउट प्रदीप चित्तौड़ा के संचालन में ध्वजारोहण के साथ हुआ। शिविर के उद्घाटन सत्र में पीयूष कुमार शर्मा ने बालक बालिकाओं को स्काउट संगठन में जुड़कर हमेशा देश सेवा समाज सेवा में अग्रणी भूमिका निभाने के लिए प्रेरित किया। सी.ओ. स्काउट प्रदीप चित्तौड़ा ने बालक बालिकाओं को संस्कारवान बनने के लिए स्काउट के नियम व प्रतिज्ञा के बारे में विस्तार से जानकारी प्रदान की। उद्घाटन सत्र में सुनीता मीणा सी.ओ. गाइड ने

सभी बालक बालिकाओं का स्वागत करते हुए अतिथियों को धन्यवाद ज्ञापित किया। शिविर के दूसरे सत्र में कब बालकों की चतुर्थ चरण एवं गोल्डन ऐरो स्काउट बालकों की तृतीय सोपान एवं रोवर स्काउट की निपुण की अहर्ताओं की जांच की गई। स्काउट गाइड कब बुलबुल एवं रोवर रेंजर को सायं कालीन सत्र में राष्ट्रीय ग्रीन कोर योजना के अंतर्गत ऊर्जा संरक्षण पर एक वार्ता का भी आयोजन किया गया, जिसमें सभी को ईंधन विद्युत के संरक्षण एवं साइकिल के उपयोग के बारे में जानकारी दी गई। शिविर में राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय जलवाड़ा के स्काउट मास्टर हनुमान सिंह ने सभी स्काउट गाइड को खेल खिलाते हुए उन्हें शारीरिक रूप से मजबूत बनने का प्रशिक्षण प्रदान किया। इस अवसर पर इंटक के जिला कन्वीनर जितेंद्र शर्मा द्वारा बारां जिले की धरोहर एवं पुरातत्व की जानकारी प्रदान की गई। दीपक वैष्णव, कमलेश मीणा का शिविर में विशेष सहयोग रहा।

उदयपुर मण्डल

- भारत स्काउट व गाइड, जिला मुख्यालय, डूंगरपुर के तत्वावधान में 22 फरवरी को लार्ड एवं लेडी बेडन पावेल के जन्मदिवस के अवसर पर विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। सी.ओ. स्काउट सुनील कुमार सोनी ने बताया कि इस अवसर पर लार्ड एवं लेडी बेडेन पावेल के चित्र के समक्ष पूजा अर्चना करते हुए सर्व धर्म प्रार्थना सभा का कार्यक्रम जिला मुख्यालय पर आयोजित किया गया। वहीं स्काउट गाइड एवं रोवर रेंजर ने विभिन्न युवा वर्ग के लोगों से मिलकर स्काउट गाइड गतिविधि की जानकारी देते हुए स्काउटिंग से

जुड़ने का आह्वान किया। इस अवसर पर रोवर लीडर जीतराम घाटिया, गाइडर दीपशिखा गरासिया एवं रोवर रेंजर उपस्थित रहे।

- भारत स्काउट व गाइड, जिला मुख्यालय, डूंगरपुर के तत्वावधान में बेणेश्वर धाम पर समाज सेवा शिविर का आयोजन स्काउट के माध्यम से किया गया। शिविर में शिविर संचालक जमना लाल चौबीसा ने बताया कि बेणेश्वर धाम पर हर वर्ष समाज सेवा शिविर का आयोजन होता है। शिविर में ब्लॉक आसपुर एवं साबला के 200 स्काउट गाइड रोवर रेंजर

तथा स्काउटर शान्तिलाल मीणा, देवीलाल डांगी, प्रवीण केरावत, कपिल व्यास, पुष्पेन्द्र सिंह चूण्डावत, धनपाल मीणा, हरीश मीणा, विक्रम सिंह रायकी, धूलीराम गोन्दावत आदि ने अपनी सेवाएं दी।

- भारत स्काउट व गाइड, जिला मुख्यालय, डूंगरपुर के तत्वावधान में जिले के विद्यालयों में इको क्लब स्काउट गाइड द्वारा नेशनल ग्रीन कोर योजनान्तर्गत जल संरक्षण जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन गेप सागर की पाल पर आयोजित किया गया। सी.ओ स्काउट सुनील कुमार सोनी ने

बताया कि अभियान के तहत गेप सागर की पाल पर सफाई अभियान चलाकर रैली के माध्यम से जागरूकता का कार्य किया गया। इस अवसर पर स्काउटर ललित कुमार बरण्डा, भैंरू लाल कटारा, मक्सीराम फलेजा, नन्दलाल रोत, कपिल व्यास, अशोक कुमार मीणा, शान्ति लाल मीणा, गाइडर दीपशिखा गरासिया सहित स्काउट्स गाइड्स रोवर्स रेंजर्स ने सेवा कार्य किया।

- भारत स्काउट व गाइड, जिला मुख्यालय, राजसमन्द का जिला परिषद का प्रथम वार्षिक अधिवेशन मार्बल गैंगसा एसोसिएशन कार्यालय के सभागार में रंगारंग कार्यक्रम के साथ सम्पन्न हुआ। सी.ओ.गाइड अभिलाषा मिश्रा ने बताया कि अधिवेशन की अध्यक्षता मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी रवीन्द्र कुमार तोमर ने की। विशिष्ट अतिथि के रूप में जवाहर जाट जिला अध्यक्ष किसान मोर्चा राजसमन्द, समाज सेविका मोनिका चोरडिया, भूपेन्द्र चोरडिया, कर्मचारी महासंघ के जिलाध्यक्ष कमलेश कुमावत, सीबीईओ राजसमन्द के नरोत्तम दाधीच, सीबीईओ आमेट नरेन्द्र सिंह चुण्डावत, सीबीईओ रेलमगरा सुषमा भानावत, ग्राम पंचायत भाणा के सरपंच भैंरूलाल थे। अधिवेशन में सत्र 2022–23 का प्रतिवेदन सदन

के समक्ष प्रस्तुत किया, जिसे ध्वनि मत से स्वीकार किया गया। इसके बाद स्काउट/गाइड संगठन के जिला कोषाध्यक्ष सुभाष पोरवाल ने 2022–23 का आय–व्यय का विवरण व अंकेक्षित लेखों की पुष्टि की एवं 2023–24 के वार्षिक बजट एवं वार्षिक कार्यक्रमों की स्वीकृति हेतु अनुमोदन लिया गया व सत्र 2023–24 हेतु ऑडिटर की नियुक्ति के लिए प्रस्ताव लिया गया। इसके बाद वर्ष पर्यन्त की गुणात्मक वृद्धि के फलस्वरूप स्काउटर गाइडर को दीर्घकालीन सेवा पुरस्कार प्रदान किये गये। जिसमें निर्मला धोबी सहायक सचिव राजसमन्द व उर्मिला पुरोहित गाइडर देवथडी को 10 वर्षीय अवार्ड प्रदान किया गया। राकेश टांक जिला प्रशिक्षण आयुक्त को 15 वर्षीय दीर्घ सेवा अलंकार प्रदान किया गया। इसके बाद अतिथियों द्वारा योग्यता वृद्धि के प्रमाण पत्र व बिट्स प्रदान किये गये। जिसमें शेरसिंह सैनी चारभुजा, विक्रम सिंह शेखावत उमरवास, निर्मला धोबी सुन्दरचा, उर्मिला पुरोहित देवथडी, रामसिंह चौहान मियाला, सुरेश चन्द्र खटीक कुण्डिया, राधेश्याम राणा बडगुल्ला को स्काउटिंग का उच्च योग्यता हिमालय वुड बैज कोर्स करने पर ससम्मान प्रमाण पत्र व बिट्स प्रदान किये गये।

- भारत स्काउट व गाइड, जिला मुख्यालय, प्रतापगढ़ के तत्वावधान में स्काउट गाइड प्रशिक्षण केन्द्र पर जनजाति द्वितीय तृतीय सोपान प्रशिक्षण शिविर दिनांक 15 से 17 मार्च तक आयोजित किया गया। शिविर के द्वितीय दिवस स्काउट

गाइड ने पॉलीथिन का उपयोग न करने की शपथ ली एवं लोगों को स्वच्छता कार्यक्रम के तहत जागरूक करने के लिए एक जागरूकता रैली निकाली।

शिविर में मुख्य अतिथि हीरालाल मालवीय सचिव स्थानीय संघ प्रतापगढ़ ने स्काउट को सम्बोधित किया। संगोष्ठी में स्काउट्स ने पॉलीथिन का उपयोग न करने एवं न करने देने की शपथ ली। श्री मालवीय ने स्काउट गाइड से अपील की वे ग्रीष्म ऋतु में पक्षियों के लिए परिण्डा अवश्य लगाएं। स्काउट्स ने प्रशिक्षण केन्द्र पर श्रमदान भी किया, जिसमें पॉलीथिन को एकत्रित कर जलाया एवं खरपतवार को हटाया, जिससे प्रशिक्षण केन्द्र का रूप निखर उठा एवं अतिथियों ने भी स्काउट्स के श्रमदान कार्य की सराहना की।

शिविर संचालक लोकेन्द्र कुमार माली ने बताया कि शिविरार्थियों को नियम प्रतिज्ञा, चिन्ह सैल्युट, हाथ मिलाना, झण्डा गीत प्रार्थना, राष्ट्रगान, आदर्श वाक्य, पायनियरिंग, नक्शा पढ़ना, कम्पास, दिशा ज्ञान, फर्स्ट एड, स्ट्रेचर, दक्षता बैज एवं अन्य कई विषयों का प्रशिक्षण दिया गया। साथ ही स्काउट गाइड संगठन द्वारा लिये गये पांच नये समाज सेवा के क्षेत्र ''सड़क सुरक्षा, वृद्धजन सहायता, नशा उन्मूलन, स्वच्छ एवं सुन्दर भारत एवं जल स्वावलम्बन'' के क्षेत्र में सेवा कार्यों के प्रति स्काउट गाइड को प्रेरित किया गया।

ट्रेनिंग काउंसलर अधिराज सिंह देवल ने स्काउट गाइड के शारीरिक विकास हेतु खेलों के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कई खेल खिलाए। शिविर में स्काउट गाइड को निरीक्षण विधि, स्काउट गाइड के नियम प्रतिज्ञा, टोली विधि, स्काउट के खेल, बी.पी. के व्यायाम आदि का ज्ञान स्काउटर गर्वित द्विवेदी के द्वारा कराया गया। शिविर संचालन में ट्रेनिंग काउंसलर कैलाश बलाई, कुसम रारोतिया, पूजा बैरागी, अन्तिम कुवंर, कृष्णपाल बैरागी ने सहयोग प्रदान किया। स्वच्छता जागरूता रैली को सी.ओ.गाइड रेखा शर्मा ने हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया। रैली निमच चौराहा होते हुए टैगोर पार्क गई जहां स्काउट गाइड ने श्रमदान किया।

◈ भारत स्काउट व गाइड जिला मुख्यालय प्रतापगढ़ के तत्वावधान में आयोजित किये जा रहे ग्रुप वार्षिक शिविर एवं जनजाति द्वितिय तृतीय सोपान प्रशिक्षण शिविर के शिविरार्थियों ने स्वीप कार्यक्रम के तहत मतदाताओं को मतदान के लिए जागरूक करने के उद्देश्य से मतदाता जागरूकता रैली निकाली। रैली को अतिरिक्त जिला कलक्टर एवं स्वीप प्रभारी विनय पाठक एवं शिविर संचालक चतर सिंह ए.एल.टी स्काउट ने खेल मैदान से हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया।

सी.ओ. गाइड रेखा कुमारी शर्मा ने बताया कि 15 से 17 मार्च व 17 से 23 मार्च तक आयोजित किये जा रहे ग्रुप वार्षिक शिविर एवं जनजाति द्वितिय तृतीय सोपान प्रशिक्षण शिविर के शिविरार्थी स्काउट्स गाइड्स रोवर रेंजर ने मतदाता जागरूकता कार्यक्रम ''स्वीप'' के तहत मतदाताओं को आगामी लोकसभा चुनाव में शत प्रतिशत मतदान के उद्देश्य से जागरूक करने के लिए एक रैली का आयोजन किया। इस अवसर पर अतिरिक्त जिला कलक्टर विनय पाठक ने स्काउट गाइड से अधिकाधिक मतदाताओं को लोकसभा चुनाव में मतदान के लिए प्रेरित करने की अपील की। उन्होंने मतदाता

जागरूकता गतिविधियां, रैली, मानव श्रृंखला, रंगोली बनाना, नुक्कड़ नाटक, घर–घर सम्पर्क के माध्यम से शत प्रतिशत मतदान करने, आदर्श आचार संहिता की अनुपालना करने, हाउस वोटिंग, ईवीएम मशीन, सी–विजिल एवं मोबाइल ऐप के प्रति मतदाताओं को जागरूक करने की अपील की। मतदान दिवस के दिन मतदाताओं को बूथ तक पहुंचाने में वॉलन्टियर नियुक्त किया जा रहा हैं। शिविर संचालक चतर सिंह ने स्काउट गाइड से कहा कि वे अधिक से अधिक मतदाताओं को मतदान का महत्व बताते हुए अपने मताधिकार का उपयोग करने के लिए प्रेरित करे। रैली खेल मैदान से प्रारम्भ होकर सदर बाजार, सुरजपोल चौराहा, नगर परिषद, गोपाल गंज, लौहार गली होती हुई दिपेश्वर तालाब पर सम्पन्न हुई। रैली में स्काउट गाइड ने मतदाता जागरूकता से सम्बधित नारे लगाये एवं हाथ में बेनर लेकर चले। रैली का नेतृत्व शिविर प्रशिक्षक अधिराज सिह देवल, गर्वित द्विवेद्वी, अन्तिम बाला, प्रीति पूजा बैरागी, कैलाश बलाई, लोकेन्द्र कुमार माली ने किया।

हमारे महापुरुष

भारत रत्न से सम्मानित

महर्षि डॉ. धोंडो केशव कर्वे

महर्षि डॉ. धोंडो केशव कर्वे प्रसिद्ध समाज सुधारक थे। उन्होंने महिला शिक्षा और विधवा विवाह में महत्त्वपूर्ण योगदान किया। उन्होंने अपना जीवन महिला उत्थान को समर्पित कर दिया। उनके द्वारा मुम्बई में स्थापित एस एन डी टी महिला विश्वविद्यालय भारत का प्रथम महिला विश्वविद्यालय है। वे वर्ष 1891 से वर्ष 1914 तक पुणे के फर्ग्युसन कॉलेज में गणित के अध्यापक थे। उन्हें वर्ष 1958 में भारत रत्न से सम्मानित किया गया।

उनका जन्म महाराष्ट्र के मुरुड नामक कस्बे (शेरावाली, जिला रत्नागिरी), में एक गरीब परिवार में हुआ था। पिता का नाम श्री केशवपंत और माता का नाम मॉ लक्ष्मीबाई। आरंभिक शिक्षा मुरुड में हुई। पश्चात सतारा में दो ढाई वर्ष अध्ययन करके मुंबई के राबर्ट मनी स्कूल में दाखिल हुए। 1884 ई. में उन्होंने मुंबई विश्वविद्यालय से गणित विषय लेकर बी.ए. की परीक्षा उत्तीर्ण की। बी.ए. करने के बाद वे एलफिंस्टन स्कूल में अध्यापक हो गए। महर्षि कर्वे का विवाह 15 वर्ष की आयु में ही हो गया था और बी.ए. पास करने तक उनके पुत्र की अवस्था ढाई वर्ष हो चुकी थी। अतः खर्च चलाने के लिए स्कूल की नौकरी के साथ–साथ लड़कियों के दो हाईस्कूलों में वे अंशकालिक काम भी करते थे। गोपालकृष्णन गोखले के निमंत्रण पर 1891 ई. में वे पूना के प्रख्यात फर्ग्युसन कालेज में प्राध्यापक बन गए। यहाँ लगातार 23 वर्ष तक सेवा करने के उपरांत 1914 ई. में उन्होंने अवकाश ग्रहण किया।

भारत में हिंदू विधवाओं की दयनीय और शोचनीय दशा देखकर महर्षि कर्वे, मुंबई में पढ़ते समय ही, विधवा विवाह के समर्थक बन गए थे। उनकी पत्नी का देहांत भी उनके मुंबई प्रवास के बीच हो चुका था। अतः 11 मार्च 1893 ई. को उन्होंने गोड़बाई नामक विधवा से विवाह कर, विधवा विवाह संबंधी प्रतिबंध को चुनौती दी। इसके लिए उन्हें घोर कष्ट सहने पड़े। मुरुड में उन्हें समाज बहिष्कृत घोषित कर दिया गया। उनके परिवार पर भी प्रतिबंध लगाए गए। महर्षि कर्वे ने 'विधवा विवाह संघ' की स्थापना की। किंतु शीघ्र ही उन्हें पता चल गया कि इक्के–दुक्के विधवा विवाह करने अथवा विधवा विवाह का प्रचार करने से विधवाओं की समस्या हल होने वाली नहीं है। अधिक आवश्यक यह है कि विधवाओं को शिक्षित बनाकर उन्हें अपने पैरों पर खड़ा किया जाए ताकि वे सम्मानपूर्ण जीवन बिता सकें। अतः 1896 ई. में उन्होंने 'अनाथ बालिकाश्रम एसोसिएशन' बनाया और जून, 1900 ई. में पूना के पास हिंगणे नामक स्थान में एक छोटा सा मकान बनाकर 'अनाथ बालिकाश्रम' की स्थापना की गई। 4 मार्च 1907 ई. को उन्होंने 'महिला विद्यालय' की स्थापना की जिसका अपना भवन 1911 ई. तक बनकर तैयार हो गया।

काशी के बाबू शिवप्रसाद गुप्त जापान गए थे और वहाँ के महिला विश्वविद्यालय से बहुत प्रभावित हुए थे। जापान से लौटने पर 1915 ई. में गुप्त जी ने उक्त महिला विश्वविद्यालय से संबंधित एक पुस्तिका महर्षि कर्वे को भेजी। उसी वर्ष दिसंबर में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का बंबई में अधिवेशन हुआ। कांग्रेस अधिवेशन के साथ ही 'नेशनल सोशल कॉन्फ्रेंस' का अधिवेशन होना था जिसके अध्यक्ष महर्षि कर्वे चुने गए। गुप्त जी द्वारा प्रेषित पुस्तिका से प्रेरणा पाकर महर्षि कर्वे ने अपने अध्यक्षीय भाषण का मुख्य विषय 'महाराष्ट्र में महिला विश्वविद्यालय' को बनाया। महात्मा गांधी ने भी महिला विश्वविद्यालय की स्थापना और मातृभाषा के माध्यम से शिक्षा देने के विचार का स्वागत किया। फलस्वरूप 1916 ई. में महर्षि कर्वे के अथक प्रयासों से पूना में महिला विश्वविद्यालय की नींव पड़ी, जिसका पहला कालेज 'महिला पाठशाला' के नाम से 16 जुलाई 1916 ई. को खुला। महर्षि कर्वे इस पाठशाला के प्रथम प्रिंसिपल बने। लेकिन धन की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए उन्होंने अपना पद त्याग दिया और धनसंग्रह के लिए निकल पड़े। चार वर्ष में ही सारे खर्च निकालकर उन्होंने विश्वविद्यालय के कोष में दो लाख 16 हजार रुपए से अधिक धनराशि जमा कर दी। इसी बीच बंबई के प्रसिद्ध उद्योगपति सर विट्ठलदास दामोदर ठाकरसी ने इस विश्वविद्यालय को 15 लाख रुपए दान दिए।

शेष पृष्ठ सं. 24 पर

पर्यटन स्थल

शाकम्भरी देवी और जीण माता

शेखावाटी के दो आस्था धाम

राजस्थान का शेखावाटी संतों, सूरमाओं और भामाशाहों की धरती के रूप में अपनी राष्ट्रीय पहचान रखता है। यह क्षेत्र धार्मिक एवं सांस्कृतिक वैभव से भी अनुप्राणित है। अरावली पर्वत श्रंखला की गोद में शेखावाटी के दो ऐसे प्रमुख शक्ति पीठ स्थल हैं जहां हर वर्ष बासन्ती और शारदीय नवरात्रों में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ती है।

जीणमाता में इस अवसर पर लक्खी मेला भरता है। शेखावाटी में अरावली का एक उच्चतम शिखर है– मालकेतु, जहां से कहते हैं, प्राचीन काल में लोहार्गल, किरोड़ी, शाकम्भरी, शोभावती व संध्या नामक पांच धाराएं प्रकट हुई और कालान्तर में ये पांचों पवित्र स्थल के रूप में प्रतिस्थापित हो गये। सीकर से वाया उदयपुरवाटी होकर लगभग 55 किलोमीटर तथा वाया गोरिया होकर करीब 40 किलोमीटर की दूरी पर शाकम्भरी शक्ति पीठ स्थित है। यह स्थान पहाड़ों, नाना प्रकार के फल–फूल धारी वृक्ष कुंजों, जल प्रपात व जल कुण्डों आदि के नयन प्रिय नैसर्गिक सौन्दर्य से परिपूर्ण है और उत्तराखण्ड के रमणीक स्थल जैसी अनुभूति कराता है। शाकम्भरी में देवी की दो प्राचीन मूर्तियाँ हैं।

एक माँ शाकम्भरी की और दूसरी काली मैया की। कहा जाता है कि अतीत में इन्द्र (शक्र) ने यहाँ तपस्या की थी तभी से यह तपोभूमि शक्र तीर्थ के नाम से जाना जाने लगा और कालान्तर में शाकम्भरी नाम प्रचलित हो गया। जनश्रुति यह भी है कि यहाँ प्राचीन समय में केवल शाकम्भरी माता की ही मूर्ति थी। काली की प्रतिमा पास के किसी गांव में भी जहाँ हिंसा का ताण्डव होने पर काशी के पंडितों को बुलाकर इस मूर्ति को रौद्र प्रभाव को शान्त कराया गया और यह मूर्ति शाकम्भरी मंदिर में लाकर पुनर्स्थापित की गई। शाकम्भरी में तीन प्राचीन शिलालेख हैं। यद्यपि इन शिलालेखों की तिथियों को लेकर विद्वानों में मत भिन्नता है तथापि सन् 1935 में यहां आये इतिहासकार पंडित गौरीशंकर हीरानन्द ओझा और पंडित झाबरमल्ल शर्मा के मतानुसार ये शिलालेख संवत 749, संवत 1055 व संवत 1056 के हैं तथा इनमें देवी का स्तुति गान व मूर्ति स्थापना का विवरण अंकित है। शाकम्भरी मंदिर का जीर्णोद्धार विक्रम संवत 1970 में नवलगढ़ निवासी सेठ रामगोपाल डंगायच ने कराया था। शिखरबन्द और प्रस्तर खण्डों में निर्मित गर्भगृह के सामने करीब 32 स्तम्भों पर आधारित प्रार्थना मण्डप बना हुआ है। बरसात के दिनों में शाकम्भरी का नैसर्गिक सौन्दर्य काफी नयन प्रिय और मनभावन हो जाता है। यह स्थान लोहार्गल की चौबीस कोसीय पद परिक्रमा का एक प्रमुख पड़ाव भी है।

इसी प्रकार सीकर–जयपुर (बीकानेर–आगरा राष्ट्रीय उच्च मार्ग संख्या 11) सड़क मार्ग पर गोरियां बस स्टैण्ड से रैवासा धाम होकर जीणमाता के लिए सड़क का रास्ता जाता है। सीकर से जीणमाता की दूरी लगभग 30 कि.मी. है। रैवासा झील का पाट और उसके आगे का अरण्य जीणमाता को भौगोलिक संरक्षण प्रदान किये हुए है। जीण वस्तुतः जयन्ती देवी है, जिसका पुराणों में भी उल्लेख है। अरावली पर्वतमाला की गोद में इस मंदिर का निर्माण चौहानों द्वारा इसवीं शताब्दी में कराने की बात कही जाती है। जीण और उसे आस–पास लगभग दो दर्जन शिलालेख पाये गये जिनमें अधिकांश मंदिर के जीर्णोद्धार से संबंधित है। मंदिर के मुख्य मण्डप के स्तम्भों पर उत्कीर्ण मूर्तियां व फूल पत्तियाँ प्राचीन प्रस्तर व स्थापत्य कला की उत्कृष्ठ झांकी है।

जीणमाता मंदिर में अष्ट भुजा धारी और सिंहारूढ़ देवी की मूर्ति दैत्य मर्दन मुद्रा में है। वस्त्र व सिन्दूर श्रंगार आदि के कारण देवी का केवल मुख ही दिखाई देता है। कहते हैं कि संहारक स्वरूप पर इसलिए आवरण डाला हुआ है ताकि श्रद्धालु सृजन एवं पालनहार माता के रूप में इस देवी का दर्शन कर सके। मुख्य मंदिर के पास ही तलघर जैसे एक स्थान पर माता भुवनेश्वरी और निकट की पहाड़ी के काजला शिखर पर चार भुजा धारी देवी की मूर्ति है जहाँ अखण्ड ज्योति जलती है। जीणमाता मंदिर के पुजारी पाराशर गौत्र के हैं जिनके 20–22 परिवार हैं और पूजा के लिए इनका क्रमवार नम्बर आता है। यह धार्मिक स्थल सीकर जिले की दांतारामगढ़ पंचायत समिति की रलावता ग्राम पंचायतान्तर्गत आता है। जनश्रुति के अनुसार चुरू जिले के घांघू गांव में तत्कालीन चौहान शासकों के घर जन्मी जीण नामक कन्या ने किशोरावस्था में पारिवारिक कहासुनी व लोकारोप से खिन्न होकर गृह त्याग कर दिया और वह काजला शिखर पर तपस्यालीन हो गई।

यही कन्या बाद में जीणमाता के दिव्य एवं दैविक स्वरूप में प्रकट हुई। कहा जाता है कि अपनी बहन जीण की तलाश में उसका भाई हर्ष भी यहाँ आ पहुंचा और वह भी पास की एक ऐसी पहाड़ी पर रहने लगा जहां से काजला शिखर पर तपस्यालीन अपनी बहन को निरन्तर देख सके।

हमारा स्वास्थ्य

अच्छी सेहत के लिए

जरूरी है सुकून भरी नींद

भागती–दौड़ती जिंदगी में इंसान जब रात में थक कर सोने की कोशिश करता है तो सुकून भरी नींद भी उसे नसीब नहीं होती है। जिसके कारण उसकी रात केवल करवटें बदलते ही बीतती है। इस कारण इंसान हाई ब्लड प्रेशर और चिड़चिड़ेपन का शिकार हो जाता है। यही नहीं उसे सिरदर्द और मोटापे का भी दंश झेलना पड़ता है। इस कारण वो झल्लाकर डॉक्टरों के पास पहुंच जाता है और भारी–भरकम पैसा अपनी दवाईयों पर खर्च करता है, लेकिन उसके बावजूद भी वो अपनी समस्याओं से पूरी तरह निजात नहीं पाता है।

अगर वही इंसान अपनी व्यस्त लाईफ स्टाइल में थोड़ा सा परिवर्तन कर ले, तो यकीन मानिए उसे डॉक्टर के पास समय और ना ही दवाइयों पर पैसे खर्च करने पड़ेंगे।

यहां हम आपको कुछ टिप्स बता रहे हैं, जिन पर अमल करने से आप पायेंगे बहुत अच्छी नींद और सेहतमंद जिंदगी।

1. **सोने के लिए आप हमेशा ढीले–ढाले कपड़ों का प्रयोग कीजिये।**
2. सोने के लिए कमरे का तापमान सामान्य होना चाहिए।
3. **सोने से करीब दो घंटे पहले रात का भोजन करना चाहिए। कभी भी खाना खाकर तुरंत नहीं सोना चाहिए और ना ही भारी–भरकम भोजन करना चाहिए, हमेशा रात का खाना हल्का होना चाहिए।**
4. रात को सोने से पहले गुनगुने दूध या फिर हलके गर्म दूध का सेवन करना अच्छा होता है।
5. **आप अपनी दिनचर्या में शारीरिक व्यायाम को शामिल करें, क्योंकि अक्सर आप ऑफिस में कुर्सियों पर लगातार बैठकर काम करते हैं, जिससे आपका दिमाग तो लगातार थकता है, लेकिन शरीर का निचला हिस्सा सुस्त अवस्था में पड़ जाता है इसलिए सोते समय आपको पीठ दर्द या कमर दर्द का एहसास होता है, जो आपकी नींद को दूर भगा देता है। व्यायाम करने से यह समस्या दूर हो जायेगी।**
6. कमरे में सोते समय हल्की रोशनी होनी चाहिए।
7. **सोने वाला कमरा साफ सुथरा होना चाहिए।**
8. कभी भी सोने से पहले दुर्व्यसन जैसे शराब और सिगरेट का सेवन नहीं करना चाहिए।
9. **कभी भी मुंह ढककर नहीं सोना चाहिए।**
10. हो सके तो खाना खाने के बाद आप 10–15 मिनट टहलें, इससे भोजन को पचने में मदद मिलेगी और आपको नींद अच्छी आयेगी।
11. **हो सके तो सोने से पहले आप अपनी कोई मनपसंद किताब पढ़ें, इससे भी नींद अच्छी आती है।**
12. और अंत में सबसे महत्वपूर्ण बात.. वो यह कि सोने से पहले आप अपनी सारी चिंताओं के छोड़ दें और बिल्कुल शांत मन से बिस्तर पर जायें।

पृष्ठ 22 का शेष

महर्षि डॉ. धोंडो केशव कर्वे

अतः विश्वविद्यालय का नाम श्री ठाकरसी की माता के नाम पर 'श्रीमती नत्थीबाई दामोदर ठाकरसी (एस.एन.डी.टी.) विश्वविद्यालय' रख दिया गया और कुछ वर्ष बाद इसे पूना से मुंबई स्थानांतरित कर दिया गया। 70 वर्ष की आयु में महर्षि कर्वे उक्त विश्वविद्यालय के लिए धनसंग्रह करने यूरोप, अमरीका और अफ्रीका गए।

सन् 1936 ई. में गांवों में शिक्षा के प्रचार के लिए महर्षि कर्वे ने 'महाराष्ट्र ग्राम प्राथमिक शिक्षा समिति' की स्थापना की, जिसने धीरे–धीरे विभिन्न गाँवों में 40 प्राथमिक विद्यालय खोले। स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद यह कार्य राज्य सरकार ने सँभाल लिया।

सन् 1915 ई. में महर्षि कर्वे द्वारा मराठी भाषा में रचित 'आत्मचरित' नामक पुस्तक प्रकाशित हो चुकी थी। 1942 ई. में काशी हिंदू विश्वविद्यालय ने उन्हें डॉ. लिट्. की उपाधि प्रदान की। 1954 ई. में उनके अपने महिला विश्वविद्यालय ने उन्हें एल. एल.डी. की उपाधि दी। 1955 ई. में भारत सरकार ने उन्हें 'पद्म विभूषण' से अलंकृत किया और 100 वर्ष की आयु पूरी हो जाने पर, 1957 ई. में मुंबई विश्वविद्यालय ने उन्हें एल.एल.डी. की उपाधि से सम्मानित किया। 1958 ई. में भारत के राष्ट्रपति ने उन्हें देश के सर्वोच्च सम्मान 'भारतरत्न' से विभूषित किया। भारत सरकार के डाक तार विभाग ने इनके सम्मान में एक डाक टिकट निकालकर इनके प्रति अपनी श्रद्धा प्रकट की थी। देशवासी आदर से उन्हें महर्षि कहते थे। 9 नवम्बर 1962 ई. को 104 वर्ष की आयु में महर्षि कर्वे का शरीरांत हो गया।

दक्षता पदक

स्काउट गाइड ज्योति में दक्षता पदकों की विस्तृत जानकारी प्रस्तुत की जा रही हैं। आशा है यह जानकारी प्रशिक्षण के मद्देनज़र उपयोगी साबित होगी। इस अंक में 'जिम्नास्ट (कसरती/मल्ल)' दक्षता बैज की जानकारी दी जा रही है।

जिम्नास्ट (कसरती/मल्ल)
GYMNAST

स्काउट जिम्नास्ट (कसरती/मल्ल) बैज को तब तक नहीं ले सकते जब तक कि उन्होंने इसे किसी प्रशिक्षित जिम्नास्ट से न सीखा हो। इसे प्राप्त करने की प्रक्रिया निम्नानुसार है–

(अ) 16 वर्ष से कम आयु वर्ग के लिए–

1. सही तरीके से सीधा तनकर खड़ा हो सके तथा सही विधि से चलना व दौड़ना जाने।
2. फ्री स्टैंडिंग 'कसरतों को तालिका के अनुसार नियंत्रण रखते हुए कर सके।
3. 0.9मीटर(3 फूट) ऊँचाई तक सही विधि से कूद सके।
4. सन्तुलन करने के ढाँचे (बैलेन्सिग फॉर्म) या छड़ (बार) के संकड़े किनारे पर सही मुद्रा में आगे–पीछे चल सके।
5. निम्नलिखित में से कोई तीन सही मुद्रा में करें–
   - i. 4.2 मीटर (14 फुट) रस्सी पर चढ़ना।
   - ii. दो रस्सियों के बीच से होकर तथा उनके बीच में कलाबाजी करना।
   - iii. दीवार के सहारे हाथों के बल खड़ा होना(सिर नीचे, पैर ऊपर)
   - iv. दीवार में लगे डंडों(वार्स) या स्वनिर्मित उपकरण पर उल्टा लटक सके।
   - v. एक 'बार' पर बगल की ओर (साइडवेज) चल सकना।
6. निम्न में से तीन को सही मुद्रा में करना–
   - i. दाएँ या बाएँ हाथ की गाड़ी चक्र '(कार्ट व्हील)।
   - ii. धू वाल्ट जैसे–स्कॉट।
   - iii. पीठ के ऊपर से होकर मैंढक–कूद लगाना।
   - iv. वूल्फ या जैक इन दी बॉक्स।
   - v. पेटी के ऊपर से खरगोश की तरह कूदना या अन्य प्रकार से कूदना।

(ब) 16 वर्ष से अधिक आयु वालों के लिए–

1. सही तरीके से सीधा तनकर खड़ा हो सके तथा सही विधि से चलना व दौड़ना जाने।
2. कम–से–कम एक सप्ताह तक विद्यालय में या अन्य किसी प्रशिक्षण केन्द्र पर जिम्नास्टिक की कक्षाओं में उपस्थित रहना।

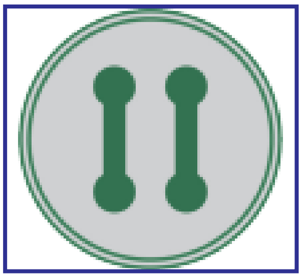

3. परीक्षक द्वारा स्वीकृत स्वतंत्र रूप से खड़े होकर की जाने वाली कसरतों की तालिका को करके दिखाना।
4. किसी सन्तुलन बनाए रखने वाले ढाँचे (बैलेंसिंग फार्म) या डण्डे (बार) के संकरे किनारे पर निम्न में से किन्हीं दो का सही तरीके से प्रदर्शन करें–
   - i. प्रत्येक कदम पर गेंद उछालते और उसे पकड़ते हुए आगे की ओर बढ़ना।
   - ii. बिना सहारा लिए बगलों की ओर से (साइडवेज) चल सके।
   - iii. ढाँचे पर खड़ा होकर हाथों और दाँयी टाँग को बराबर में उठा सके व वापिस रख सके, पुनः आगे कदम रखें और दूसरी टाँग को उठाते हुए इसे दोहराए।
   - iv. घुटनों को पूरी तरह मोड़कर चलना और प्रत्येक तीसरे कदम पर इसे सीधा करना।
5. निम्न समूह में से कोई एक करें–
   - i. एक रस्से पर कम–से–कम 4.8 मीटर 16 फुट चढ़ना, डण्डे (बार) पर बगल की ओर से चलना या दीवार पर लगे डण्डों पर चढ़ और उतर सके या डण्डे (बार) पर उल्टा चलना।
   - ii. बिना किसी सहारे के, हाथों के बल खड़ा हो सकना या डण्डे (बार) अथवा स्वनिर्मित उपकरण पर नीचे या ऊपर की ओर कलाबाजी लगा सके या दो रस्सों के बीच लम्बवत उल्टा लटक सके।

गतिविधि पञ्चांग

राष्ट्रीय पञ्चांग

PROPOSED

NAME OF EVENTS	MONTHS & DATES	VENUE
54th Leader Trainers Course (Scout Wing)	01 - 07 May 2024	NTC, Pachmarhi (MP)
Himalaya Wood Badge Course for Rover Scout Leaders	07 - 13 May 2024	NTC, Pachmarhi (MP)
National Youth Meet for Rovers and Rangers	11 - 14 May 2024	Ketti (Niligiris), Tamilnadu
Himalaya Wood Badge Course for Scout Masters	15 - 21 May 2024	NTC, Pachmarhi (MP)
Workshop on National Adult Resourse Management (Both Wing)	03 - 07 June 2024	NTC, Pachmarhi (MP)
First Aid Course, Pioneering and Estimation Course, Mapping & Star Gazing Course	03 - 07 June 2024	NTC, Pachmarhi (MP)
94th Course for ALT (Scout Wing)	10 - 16 June 2024	NTC, Pachmarhi (MP)
Yoga Instructors Course (Common-Both Wing)	19 - 23 June 2024	NTC, Pachmarhi (MP)

अन्तर्राष्ट्रीय पञ्चांग

PROPOSED

NAME OF EVENTS	MONTHS & DATES	VENUE
Jam Brownee at Pax Lodge World Centre	30 May - 02 June 2024	London, United Kingdom
International Scout Youth Forum 2024 on Modern Technology and Scouting	08 - 10 June 2024	Hong Kong Scout Centre
APR Youth Leadership Training Course -2024	24 - 27 June 2024	Gazipur, Bangladesh
12th National Scout Jamboree at Taiwan	10 - 16 July 2024	Taiwan
Jamscout 2024- National Scout Jamboree in Spain	13 - 21 July 2024	Cobaleda, Soria
7th National Jamboree - Mongolia	19 - 27 July 2024	Mangolia
09th Africa Scout Jamboree	02 - 11 August 2024	Bungere, Gitega
Red Rose International Jamboree	03 - 10 August, 2024	United Kingdom
13th Nippon Agoonoree – National Camp for the Scouts with Special Needs	08 - 12 August, 2024	Fukushima, Japan
43rd World Scout Conference	17-23 August, 2024	Egypt
26th Australian Jamboree (AJ2025)	06 - 15 January 2025	Maryborough in Queensland
16th World Scout Moot 2025	25 July - 03 August, 2025	Lisboa, Portugal

National Headquarters website : www.bsgindia.org

विविध गतिविधियों के छाया-चित्र

राजस्थान स्काउट आवासीय विद्यालय, खूड़ी लक्ष्मणगढ़ में आयोजित
अनुसूचित जाति व अनुसूचित जनजाति शिविर के शुभारंभ का दृश्य

आबूपर्वत पर स्टेट एडवेंचर
शिविर के संभागी

राष्ट्रीय मुख्यालय, नई दिल्ली में आयोजित महिला
दिवस कार्यक्रम में झुंझुनूं जिले के रोवर लीडर
डॉ. विजेश कुमार को सम्मानित करते हुए मुख्य अतिथि

अलवर में स्वीप कार्यक्रम के तहत
मतदाता जागरूकता रैली को हरी झंडी दिखाते हुए
मुख्य कार्यकारी अधिकारी जिला परिषद सुश्री प्रतिभा वर्मा

गांधी दर्शन यात्रा के तहत सीकर के रोवर्स स्टेच्यू ऑफ यूनिटी के सामने मैसेन्जर ऑफ पीस का प्रदर्शन करते हुए

राजस्थान बालचर आवासीय विद्यालय, जगतपुरा, जयपुर के विद्यार्थियों का
पर्यटन स्थल भ्रमण के दौरान जयपुर के नाहरगढ़ बायोलॉजिकल पार्क पर लिया गया समुह छाया-चित्र

प्रकाशक व मुद्रक : डॉ. पी.सी. जैन, राज्य सचिव, राजस्थान राज्य भारत स्काउट्स व गाइड्स, जवाहर लाल नेहरू मार्ग, जयपुर
फोन नं. 0141-2706830 द्वारा मैसर्स हरिहर प्रिण्टर्स, जे-97, अशोक चौक, आदर्श नगर, जयपुर-302004 फोन : 0141-2600850 से मुद्रित।

हिन्दी मासिक एक प्रति रूपये पन्द्रह
प्रकाशन - प्रत्येक माह
पंजीकृत समाचार पत्रों की श्रेणी के अन्तर्गत
आर.एन.आई. नम्बर : RAJ BIL/2000/01835

प्रेषक :-
राजस्थान राज्य भारत स्काउट्स एवं गाइड्स, जवाहर लाल नेहरू मार्ग, बजाज नगर, जयपुर-302015
फोन : 0141-2706830, 2941098
ई-मेल : scoutguidejyoti@gmail.com